email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

आमिर खान लग गई थी चोट

वर्ष:3 अंक:58 कटक बुधवार 13 जुलाई 2022 मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

अब सभी को सभी से खतरा है...

संजय राउत के ट्वीट से हलचल, देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे को भी किया टैग

मुंबई। शिवसेना के राज्यसभा सांसद अपने दिलचस्प बयानों के लिए चर्चित रहे हैं। अब उन्होंने एक नया ट्वीट किया है, जिसे लेकर महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा छिड़ गई है। मंगलवार को सुबह ही संजय राउत ने शायर जौन एलिया का एक शेर ट्वीट करते हुए लिखा, 'अब नही कोई बात खतरे की, अब सभी को सभी से खतरा है।' इस ट्वीट में संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र सीएमओ, एकनाथ शिंदे, उद्धव ठाकरे और प्रियंका गांधी को टैग किया है। उनके इस ट्वीट के सही अर्थ को लेकर चर्चा हैं। कहा जा रहा है कि संजय राउत ने अपने ट्ववीट से संकेत दिया है कि शिवसेना आने वाले समय में कोई बड़ा फैसला ले सकती है। इसके अलावा महा विकास अघाड़ी के भविष्य को लेकर भी इस ट्वीट से कयास लगने लगे हैं।

इससे पहले 2019 में महाविकास अघाड़ी के गठन से पहले भी संजय राउत हर दिन रोचक

ट्वीट करते देखे गए थे। इस बार एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के बीच भी संजय राउत काफी चर्चा में रहे हैं। उद्धव ठाकरे का बचाव हो या फिर एकनाथ शिंदे गुट पर तीखे हमले, उन्होंने आगे बढ़कर आक्रामक बयानों से काफी चर्चा बटोरी। यही नहीं बीते दिनों उनके एक और ट्वीट की चर्चा हुई थी, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'जब खोने के लिए कुछ भी ना बचा हो तो पाने के लिए बहुत कुछ होता हैं! जय महाराष्ट्र।' उनके इस ट्वीट से यही अनुमान लगाया जा रहा था कि संभवतः वह शिवसेना के नए सिरे से गठन की बात कर रहे हैं। बता दें कि बगावत के बीच संजय राउत पर लगातार एकनाथ शिंदे गुट के विधायक हमला बोलते रहे हैं। पिछले दिनों ही शिंदे गुट के नेता गुलाब राव पाटिल ने कहा था कि हम सभी लोग आज भी शिवसेना के हैं और मातोश्री जाने के लिए तैयार हैं। लेकिन उद्धव ठाकरे को कुछ लोगों ने घेर रखा है और उन्हें धृतराष्ट्र बना दिया है। यदि ऐसे लोगों को हटाकर बात करें तो हम आ सकते हैं। उनकी इस टिप्पणी को संजय राउत से ही जोड़कर देखा गया था। इसके अलावा बागी विधायक संजय राउत के मास लीडर न होने पर भी सवाल खड़े करते रहे हैं।

सुनवाई में कितना समय लगेगा, एससी में देरी पर बोली शिवसेना

इस बीच मुखपत्र सामना में भी शिवसेना ने नई सरकार पर सवाल उठाते हुए चुनाव कराने की मांग की है। सामना में लिखा गया, 'यह सरकार अवैध है। इसलिए मध्यावधि चुनाव की तैयारी की जाए। कोर्ट ने कहा कि सुनवाई में समय लगेगा, लेकिन इसमें कितना समय लगेगा? तब

> शिवसेना के राज्यसभा सांसद अपने दिलचस्प बयानों के लिए चर्चित रहे हैं। अब उन्होंने एक नया ट्वीट किया है, अब इसके अर्थ को लेकर महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा छिड़ गई है।

तक क्या महाराष्ट्र पर शिंदे-फडणवीस की अवैध सरकार थोपी जाएगी? यह सरकार अवैध है।' इसलिए इस सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने का अधिकार नहीं होना चाहिए। जब तक पीठ सुनवाई कर रही है, इस सरकार को या तो 'कार्यवाहक' के रूप में कार्य करना चाहिए या मध्यावधि चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए।

'फेल हुआ ऑपरेशन कमल', दिनेश गुंडू राव बोले- महाराष्ट्र जैसे गोवा में भी पार्टी तोड़ना चाहती थी बीजेपी

पणजी। गोवा कांग्रेस में शुरू हुआ संकट थमा नहीं है। इसी बीच पार्टी के प्रदेश प्रभारी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है और इसे 'फ्लॉप ऑपरेशन कमल' बताया है। साथ ही उन्होंने पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता दिगंबर कामत पर भी बड़े आरोप लगाए। रविवार को पार्टी के बड़े नेता संपर्क से बाहर हो गए थे। इसके बाद अटकलें लगाई जाने लगी थी कि वे दल बदल सकते हैं। न्यूज18 से बातचीत में राव ने कहा, 'हमें पता है कि हमारे वफादार लोग कौन हैं और दल बदलू कौन हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक और कोशिश की लेकिन बुरी तरह असफल हो गई। उन्होंने कहा, 'दबाव के बावजूद हमारे युवा और पहली बार के विधायक साथ हैं। यह साजिश एक महीने से चल रही थी, लेकिन हमारे विधायक अपने आप ही जमे रहे।' उन्होंने आरोप लगाए कि विधायकों को खदान, कोयला और उद्योगों समेत कई जगहों से दबाव डाला गया। रिपोर्ट के अनुसार, राव ने पुष्टि की है कि कांग्रेस के पास 7 विधायक हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि चार नेता पार्टी के साथ नहीं हैं। इनमें माइकल लोबो, दिगंबर कामत, केदार नाईक और डेलिलाया लोबो का नाम शामिल है। उन्होंने कहा, यह शर्मनाक है कि कैसे भाजपा धनबल और मंत्रियों को लुभाने के लिए कैसे नीचे गिर गई। राव का कहना है कि भाजपा, कांग्रेस का अंत होने तक नहीं रुकेगी, लेकिन हम भी आखिर तक लड़ेंगे। उन्होंने कहा, उनका एक एजेंडा कांग्रेस को खत्म करना है। वे ऐसा आप या दूसरे विपक्षी दल के साथ नहीं करेंगे। उनकी लड़ाई कांग्रेस के साथ है। वे इसके लिए विपक्ष मुक्त देश या गोवा सुनिश्चित कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस अभी भी वफादार कैडर के साथ मजबूत पार्टी है। भारत में एक मजबूत विपक्षी दल बनाने में 20 साल और लगेंगे और इसलिए भाजपा विपक्ष को खत्म करने के लिए मौका तलाश रही है।

अमरनाथ यात्रा बहाल, घर पहुंचे 35 लापता श्रद्धालु

जम्मू। मौसम साफ होने पर जम्मू से एक बार फिर अमरनाथ यात्रियों के जत्थे को दक्षिण कश्मीर के बालटाल और नुनवान-पहलगाम बेस कैम्पों के लिए रवाना किया गया। उधर पहलगाम मार्ग पर पंजतरणी में रोके गए श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए भेजा गया परंतु बारिश शुरू होने पर कुछ देर के लिए यात्रा को रोकना पड़ा। पवित्र गुफा के पास आई बाढ़ में श्रद्धालुओं के लापता होने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। आंध्र प्रदेश के 37 में से 35 तीर्थयात्री सुरक्षित घर पहुंच गए हैं जबकि आंध्र प्रदेश के 2 तीर्थयात्री गुनिशेट्टी सुधा और कोठा पार्वती का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। 1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर वाट्स ऐप करें दूसरी ओर आंध्र प्रदेश से लापता तीर्थयात्रियों पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण देते हुए एल.जी. प्रशासन ने खुलासा किया कि मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के 37 तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा में लापता हैं जोकि तथ्यात्मक सही नहीं है। इस संबंध में आंध्र प्रदेश सरकार ने संभागीय आयुक्त कश्मीर को पत्र लिखकर मीडिया रिपोर्ट का स्पष्ट रूप से खंडन किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने

सोमवार को अमरनाथ यात्रा के ऐतिहासिक मार्ग चंदनवाड़ी का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य, लंगर, रहने-ठहरने एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम और सफाई कर्मियों से बातचीत की।

शपथ लेने के अगले ही दिन बंद होगा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग: यशवंत सिन्हा

नई दिल्ली। प्रचार अभियान में जुटे राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा का केंद्र सरकार पर हमला जारी है। राजस्थान पहुंचे सिन्हा ने कहा कि देश में सांप्रदायिक तनाव है और राज्यों में चुनी हुई सरकारों को गिराने की कोशिशें की जा रही हैं। साथ ही उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। विपक्ष की तरफ से मैदान में उतरे सिन्हा के सामने NDA की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू हैं।

उन्होंने कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बनते हैं, तो शपथ लेने के अगले ही दिन केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल बंद हो जाएगा। जयपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री

ने कहा कि 18 जुलाई को होने वाला राष्ट्रपति चुनाव केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ है, जिनका इस्तेमाल केंद्र सरकार की तरफ से किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, मैं दूसरे पक्ष के चुने हुए प्रतिनिधियों से कहना चाहता हूं कि वे भी हालात पर विचार करें और जो सही है वह करहें। देश जिन हालात का सामना कर रहे हैं उन्हें देखते हुए राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव असामान्य स्थिति में हो रहे हैं। सांप्रदायिक तनाव है और कई राज्यों में चुनी हुई सरकारों को हटाने की कोशिश की जा रही है। हाल ही में ऐसा महाराष्ट्र और गोवा में देखा गया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति जैसा होगा हाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टीएमसी विधायक इदरीस अली का तंज

उन्होंने आरोप लगाए कि भाजपा और केंद्र में उसकी सरकार जानबूझकर देश में नफरत का माहौल तैयार कर रही है। साथ ही उन्होंने सरकार पर आर्थिक नीतियों, रुपये में गिरावट को लेकर निशाना साधा। मौजूदा राष्ट्रपति को लेकर उन्होंने कहा, 'अगर हम पिछले पांच सालों की बात करें, तो यह दौर राष्ट्रपति भवन में शांति का था। हमने एक खामोश राष्ट्रपति देखा है।'

स्कूलों में श्रीमद् भगवद् गीता पढ़ाने का प्रस्ताव

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने स्कूलों में श्रीमद् भगवद् गीता को प्रार्थना कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों में श्लोक पाठ के रूप में प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को चुनौती देने वाली याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने हालांकि इस प्रस्ताव पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया और राज्य सरकार से 18 अगस्त तक जवाब मांगा।

1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर वाट्स ऐप

करें

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति आशुतोष शास्त्री की खंडपीठ ने जमीयत उलमा-ए-हिंद द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया। याचिका में स्कूलों में इस शैक्षिक वर्ष से श्रीमद् भगवद् गीता को प्रार्थना और श्लोकों आदि के पाठ जैसी गतिविधियों के रूप में प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को चुनौती दी गई थी। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने संवैधानिक वैधता के आधार पर प्रस्ताव को चुनौती दी और दावा किया कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लंघन है।

दिल्ली-मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक हाईवे बनाने की योजना, गडकरी बोले- ट्रॉलीबस की तरह ट्रॉलीट्रक भी चलेंगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार दिल्ली और मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक हाइवे बनाने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। गडकरी ने बीते दिन नई दिल्ली में हाइड्रॉलिक ट्रेलर ओनर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली और मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक राजमार्ग की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक हाईवे आमतौर पर ऐसी सड़क होती है जिस पर चलने वाले वाहनों को बिजली की आपूर्ति की जाती है। यह बिजली सड़क के ऊपर लगे तारों से वाहन तक पहुंचाई जाती है। उन्होंने कहा कि आप ट्रॉलीबस की तरह ट्रॉलीट्रक भी चला

सकते हैं। मालूम हो कि ट्रॉलीबस इलेक्ट्रिक बस होती है जो ओवरहेड तारों से होने वाली बिजली आपूर्ति से चलती है।

जिलों को चार लेन वाली सड़कों से जोड़ने का फैसला

इस मौके पर गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने सभी जिलों को चार लेन वाली सड़कों से जोड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार 2.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य की सुरंगों का भी निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्यों के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में भ्रष्टाचार को कम करने के लिए सभी सेवाओं को डिजिटल करने की जरूरत है।

गडकरी ने प्रदूषण को बड़ी चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि भारी वाहनों के मालिकों से मैं वैकल्पिक ईंधन जैसे कि इथेनॉल, मेथनॉल और ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल करने की अपील करता हूं। केंद्रीय मंत्री ने यह स्वीकार किया कि रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस में भ्रष्टाचार की वजह से भारी वाहनों के मालिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

रोड एक्सिडेंट और मौतों में कमी लाना लक्ष्य

नितिन गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य रोड एक्सिडेंट और मौतों में कमी लाना है। उन्होंने कहा कि हम सभी को रोड सेफ्टी को लेकर चौकन्ना रहने की जरूरत है। हमें ट्रेन्ड ड्राइवर्स की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था होने के नाते हमें देश को सभी प्रकार के ट्रांसपोर्टेशन की जरूरत है। गडकरी ने यह भी कहा कि चीन, यूरोपीय संघ और अमेरिका की तुलना में भारत में लॉजिस्टिक कॉस्ट अधिक है।

दिल्ली में बदला मौसम का मिजाज, इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भारी बारिश से बुरा हाल है। गुजरात, महाराष्ट्र के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी है। वहीं, दिल्ली में सोमवार को हुई बारिश से मौसम में बदलाव आया है। मौसम विभाग की मानें तो आज दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अगर आज, 12 जुलाई के तापमान की बात करें तो न्यूनतम तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 36 डिग्री रिकॉर्ड किया जा सकता है।

इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

स्काईमेट वेदर के मुताबिक, दक्षिण मध्य प्रदेश, विदर्भ के कुछ हिस्सों, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा और दक्षिण गुजरात में मध्यम से भारी बारिश संभव है। गुजरात के शेष हिस्सों, तटीय कर्नाटक, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है और दक्षिणपूर्व राजस्थान, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश के साथ 1-2 स्थानों पर भारी बारिश संभव है।

दिल्ली, यूपी, पंजाब, हरियाणा में होगी हल्की बारिश

सिक्किम, जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तरी छत्तीसगढ़, दक्षिण झारखंड, आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना के शेष हिस्सों और तटीय आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। उत्तर प्रदेश, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा,

तमिलनाडु, लक्षद्वीप और रायलसीमा की तलहटी में हल्की बारिश संभव है।

दिल्ली-एनसीआर में तीन दिन बारिश की संभावना

राजधानी में मंगलवार को भी दिन भर बादल छाए रहेंगे । गर्जन वाले बादल बनने

> स्काईमेट वेदर के मुताबिक, दक्षिण मध्य प्रदेश, विदर्भ के कुछ हिस्सों, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा और दक्षिण गुजरात में मध्यम से भारी बारिश संभव है। गुजरात के शेष हिस्सों, तटीय कर्नाटक, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है

और हल्की वर्षा होने के आसार है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान रह सकता क्रमशः 36 और 27 डिग्री सेल्सियस, अगले तीन दिनों के दौरान भी कभी भी एकाएक बरसात होने की संभावना है।

पंजाब में मौसम सुहाना रहेगा

मंगलवार को पंजाब भर में मौसम का मिजाज अच्छा रहेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार कुछ स्थानों पर बादल छाए रहने का अनुमान है तो कुछ जिलों में सामान्य वर्षा होगी। इसके बाद अगले दो दिन तक मौसम सुहावना बना रहेगा।

हिमाचल में भारी बारिश की चेतावनी

हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग ने मंगलवार को किन्नौर जिले को छोड़कर शेष जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके कारण सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। मौसम विभाग की ओर से अगले तीन दिन के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

संपादकीय

कम हो हानि

श्रीलंका का संकट अभूतपूर्व और दुखद है। इसकी गिनती चंद वर्ष पहले तक दुनिया के खुशनुमा देशों में होती थी। कुछ सामाजिक पैमानों पर यह छोटा देश भारत से भी आगे रहा है। आतंकवाद के दौर में भी कभी श्रीलंका को ऐसी मुसीबत में नहीं देखा गया। ९ जुलाई को राष्ट्रपति भवन पर लोग विरोध के लिए उमड़ आएंगे, यह आशंका पहले से थी। सप्ताह के बाकी दिनों में किसी न किसी तरह से रोजी-रोटी की जुगाड़ में जुटे लोग शनिवार और रविवार को ही अपने मन की बात पूरी तरह से कहने में सक्षम हो पा रहे थे। तो इस शनिवार को लोगों ने मानो तय कर रखा था कि राष्ट्रपति भवन पहुंचकर इस्तीफा ले लेना है। खतरा देख राष्ट्रपति गोटाबाया पहले ही निकल चुके थे, तो लोगों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ थोड़ी-बहुत झड़प के बाद राष्ट्रपति भवन पर एक तरह से कब्जा कर लिया। उपद्रव या विद्रोह के इस पक्ष को देखकर दुनिया दंग थी, लेकिन देर शाम प्रधानमंत्री के निजी आवास को जिस तरह से लोगों ने आग के हवाले किया, उससे चिंता बढ़ गई। १० जुलाई को पुलिस सक्रिय हुई है और सेना भी सामने आने लगी है। विद्रोह को काबू में करने के लिए सैन्य अधिकारियों का मुखर होना जहां एक ओर स्वाभाविक लगता है, तो वहीं दूसरी ओर, यह चिंता भी सताती है कि कहीं यह देश हिंसा के नए दौर में न प्रवेश कर जाए।

श्रीलंका में संयम समय की मांग है, लेकिन उससे लोगों की जरूरतें पूरी नहीं होतीं। लोगों की इच्छाओं और उम्मीदों को समझने की जरूरत है। गोटाबाया राजपक्षे को भी यह एहसास है, क्योंकि अगर वह सेना को आदेश देते, तो सेना ९ जुलाई को राष्ट्रपति भवन पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा नहीं होने देती। खूनखराबा श्रीलंका ने पहले भी देखा है, लेकिन गोटाबाया ने शुरुआती रूप से हिंसा से बचने के लिए जो संयम बरता है, उसकी कुछ सराहना होनी चाहिए। उनकी अभी भी जिम्मेदारी है और आगे भी रहेगी कि देश में शांति रहे। देश को आतंकवाद से निकालने में उनका योगदान है, तो देश को नई हिंसा या उपद्रव में डालते हुए उन्हें कतई पद से विदा नहीं होना चाहिए। फिलहाल श्रीलंका में सेना को कानून-व्यवस्था बहाल रखने तक ही अपनी भूमिका निभानी चाहिए। प्रदर्शन की आड़ में असामाजिक तत्वों का दुस्साहस न बढ़े, यह सुनिश्चित करने का निर्देश पुलिस और सेना को दिया जाना चाहिए। लोग राष्ट्रपति भवन से निकल जाएं, किसी सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान न पहुंचे, यह सुनिश्चित होना चाहिए। अमेरिका ने श्रीलंका के नेताओं से बिल्कुल सही कहा है, नेता लोगों के असंतोष को जल्दी से जल्दी दूर करें।

कैनेडी के बाद अब आबे को भी याद रखेगा भारत

आर.के. सिन्हा

भारत के परम मित्र और हितैषी जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की जापान के एक छोटे से शहर में रेलवे स्टेशन के बाहर लगभग सौ लोगों की एक छोटी सी सभा को संबोधित करते हुए ८ जुलाई को गोली मारकर हत्या की दिल दहलाने वाली घटना ने अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की २२ नवंबर,१९६३ को डलास हुई में हत्या की यादें ताजा कर दी हैं। कैनेडी की तरह भारत अब शिंजो आबे को भी सदैव अपने एक सच्चे मित्र के रूप में याद रखेगा। अजीब इत्तिफाक है कि भारत को चाहने वाले दो देशों के शिखर नेताओं का अंत इतने भयावह रूप में हुआ।

निश्चित रूप से शिंजो आबे के आकस्मिक निधन से भारत-जापान संबंधों का एक मजबूत स्तंभ गिर गया है। वे जापान के प्रधानमंत्री के रूप में चार बार भारत आए। उन्हें भारत ने भी दिल खोलकर प्रेम-सम्मान दिया। जिस विरासत को सहेजकर रखने की जिम्मेदारी आबे को मिली थी, आबे ने उसे और मजबूत किया। वाराणसी के घाटों पर गंगा आरती में शरीक होना हो या बुलेट ट्रेन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत के भविष्य की झलक दिखाना, आबे वह चेहरा रहे हैं, जिसमें भारतीयों को उम्मीद नजर आती थी। वह उन दुर्लभ नेताओं में से एक थे जिन्होंने न सिर्फ जापान को आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों से भी कुशलतापूर्वक निपटे।

अब बुजुर्ग हो रहे हिन्दुस्तानियों को याद होगा कि १९६२ के युद्ध के वक्त अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी ने भी खुलकर भारत का साथ दिया था। उनका भी सारा विश्व सम्मान करता था। पंडित नेहरू के आग्रह पर ही सही पर उन्होंने चीन को तब साफ और खुले शब्दों में समझा दिया था कि यदि उसने युद्ध विराम नहीं किया तो अमेरिका भी युद्ध में कूद पड़ेगा। उसके बाद चीन ने २० नवम्बर, १९६२ को युद्ध विराम किया था और साथ ही विवादित क्षेत्र से अपनी वापसी की घोषणा भी की थी। तब कहीं जाकर युद्ध खत्म हो गया था। यह भी याद रखा जाए कि उस युद्ध के दौरान भारत में अमेरिका के राजदूत जॉन के. गेलब्रिथ भारत सरकार को सलाह दे रहे थे कि उसकी समर नीति किस तरह की रहे। कैनेडी और गेलब्रिथ परम मित्र थे। अगर शिंजो आबे बार-बार भारत आते रहे, तो कैनेडी राष्ट्रपति के रूप में एक बार भी भारत नहीं आए। कैनेडी को १९६४ के शुरू में भारत की सरकारी यात्रा पर आना था। तब उनका राजधानी में १९९० के अंत में पूरी तरह से अमेरिकी एंबेसी बिल्डिंग को देखने का कार्यक्रम तय था। बीसवीं सदी के महानतम आर्किटेक्ट माने जाने वाले फ्रेंक लायड राइट कहते थे कि स्थापत्य की दृष्टि से अमेरिकी एंबेसी भवन अद्वितीय है। जाहिर है, राइट की टिप्पणी के बाद कैनेडी को पता चल ही गया था कि नई दिल्ली में बनी अमेरिकी एंबेसी बिल्डिंग अमेरिकी आर्किटेक्ट एडवर्ड डुरेल स्टोन की रचनाधर्मिता का चरम है। सच में २७ एकड़ में बनी अमेरिकी एंबेसी अपने आप में उत्कृष्ट है। कैनेडी इसे देखकर प्रसन्न अवश्य होते। पर अफसोस कि कैनेडी की डलास में हत्या कर दी जाती है। उनकी अकाल मृत्यु से दुनिया स्तब्ध हो गई। इस तरह वे राष्ट्रपति पद पर रहते हुए तो भारत नहीं आ सके। वैसे वे १९५५ में भारत घूमने के लिए जरूर आए थे। श्रीमती जैक्लीन कैनेडी १२-२१ मार्च,१९६२ को भारत यात्रा पर आईं थीं। उनकी उस यात्रा की सारी तैयारी जॉन कैनिथ गेलब्रिथ देख रहे थे।

जापान के प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल में ही शिंजो आबे ने भारत का दौरा किया। उस वक्त यूपीए की सरकार थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री। २२ अगस्त, २००६ को भारतीय संसद में उनका संबोधन 'दो समुद्रों के मिलन' के रूप में जाना जाता है। इसी भाषण में आबे ने मुक्तम और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की वकालत की थी। अगले कुछ दिनों में जापान ने पूर्वोत्तर भारत में निवेश शुरू कर दिया। ऐसा करने वाला जापान पहला देश था। आबे समझ रहे थे कि चीन की विकराल चुनौती से निपटने के लिए उन्हें भारत से अच्छा साझेदार नहीं मिलेगा। कहना न होगा कि आज की विश्व कूटनीति में आबे की दूरदर्शिता को देखा जा सकता है। कैनेडी की तरह वे भी तब भारत आए थे जब वे नौजवान थे। यानी भारत के साथ आबे का रिश्ता केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहा। वह अपने नाना के प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए भारत आए थे और तब ही से उनका भारत से घनिष्ठ संबंध बन गया था। इसी रिश्ते के लिए और शिंजो आबे के सम्मान में भारत ने ९ जुलाई को राष्ट्रीय शोक मनाया था।

शिंजो आबे सन २०१४ के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। वह भारत का ६५वां गणतंत्र दिवस था। आबे राजपथ पर आयोजित परेड समारोह को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए थे। उन्हें परेड के माध्यम से भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक पहलुओं और सैन्य शक्ति को जानने का अवसर मिला था। शिंजो आबे के अचानक से संसार से विदा होने से भारत का भी स्तब्ध होना लाजिमी है। कृतज्ञ भारत अपने इतने प्यारे मित्र को कभी नहीं भूल सकेगा। अब भारत को उनकी स्मृति को जिंदा रखने के लिए कोई पुरस्कार आदि की घोषणा करनी होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन.एफ कैनेडी व्हाइट हाउस में रहते हुए तो कभी भारत की यात्रा पर नहीं आए। पर उनके नाम पर खुशबू बिखेरता एक प्रतीक हमारे राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन में है। दरअसल कैनेडी नाम के गुलाब के फूलों की एक प्रजाति मुगल गार्डन के मालियों ने उनकी हत्या के बाद विकसित की थी। कभी मुगल गॉर्डन जाएं तो कैनेडी की मधुर मुस्कान की तरह उनके नाम पर तैयार गुलाब के फूलों की सुंदर क्यारियों को भी निहार लें। आपको अच्छा लगेगा।

शिंजो आबे के बाद फिलहाल तो दुनिया में इस तरह का कोई राजनेता नजर नहीं आता जो भारत के प्रति सम्मान और प्रेम का संबंध रखता हो। अब सारी दुनिया अपने-अपने हितों को लेकर ही सोचने लगी है। इस परिस्थिति में न जाने कब भारत को कैनेडी या आबे जैसा कोई दोस्त मिले।(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

विदेशियों के बहकावे में न आए भारतीय समाज

सुरेश हिंदुस्थानी

भारत सबको समभाव की दृष्टि से देखने का संदेश प्रसारित करता रहा है। इसका मूल कारण यह है कि भारत के आध्यात्मिक संतों ने अपनी वाणी से, अपने शब्दों से जो संदेश दिया, उसमें संकुचन नहीं था। और इसीलिए वे जगदगुरु कहलाए गए। उस समय का इतिहास उठाकर देखा जाए तो भारत का एक भी जगदगुरु ऐसा नहीं था, जिसने मेरा और तेरा का भाव दिया हो, बल्कि हमारे जगदगुरु ने मैं ही तू है, का संदेश दिया। भारत का दर्शन सर्वधर्म समभाव की बात कहता है। लेकिन आज देश को क्या हो गया है? ऐसा लगता है कि भारतीय संस्कृति उन देशों को खटकने लगी है, जो भारत की प्रगति को रोकना चाहते हैं। अभी देश में जो कुछ चल रहा है, उसे भारतीय दर्शन के हिसाब से उचित नहीं कहा जा सकता। आज भारतीय आराध्यों और हिन्दुओं की भावनाओं पर कुठाराघात करने का षड्यंत्र चलता दिखाई दे रहा है। यह सब विदेशियों के संकेत पर ही हो रहा है। भारत के व्यक्तियों को समझना चाहिए कि वे विदेशियों के बहकावे में न आकर अपने देश को सुरक्षित रखें।

विभिन्न संस्कृतियों को समेटे, सर्वधर्म सद्भाव एवं सबसे बड़े लोकतांत्रिक व्यवस्था के नाम से जाने जाने वाले देश भारत के हिंदू बाहुल्य होते हुए भी उनके आराध्य देवी देवताओं का जानबूझकर मजाक उड़ाया जा रहा है। इसके पीछे वामपंथी मानसिकता और कांग्रेस की नापाक शक्तियों का हाथ है जो सिर्फ एक वर्ग विशेष के तुष्टिकरण के लिए इस तरह के कार्यों को समर्थन दे रहे हैं। जो वास्तव में मुसलमान है, वह अपने धर्म के अनुसार ही जीवनयापन करता रहा है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनेताओं ने अपनी स्वार्थी राजनीति की खातिर उनको भ्रमित करने का काम किया है। कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन के बारे में कहा जाता है कि उनका रिमोट कांग्रेस मुखिया सोनिया गांधी के हाथ में था, इसलिए उन्होंने एक बार सार्वजनिक रूप से यह बयान दिया था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। लेकिन देश के मुसलमानों को समझना चाहिए कि क्या यह बयान सच था, या राजनीतिक था। कांग्रेस की ओर से दिया गया यह बयान मुसलमानों का वोट प्राप्त करने का एक ऐसा तीर था, जो निशाने पर लग गया। आज कई मुसलमानों के मन में यह भाव पैदा हो गया है कि यह देश केवल उनका ही है। ऐसा करने के पीछे कांग्रेस ही पूरी तरह से दोषी है। इसी कारण आज देश में विवाद बढ़ता ही जा रहा है। जिसमें हिंदू भावनाओं का खुलेआम अपमान किया जा रहा है।

अब लीना मणिमेकलई की विवादित डॉक्यूमेंट्री काली के पोस्टर को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ता ही जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने देवी काली को लेकर एक ऐसा विवादित बयान दे दिया, जिसे लेकर उनके खिलाफ कई जगह प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसके साथ ही फिल्म निर्माता लीना के खिलाफ भी लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। जिस देश में धर्मनिरपेक्षता के कारण सभी धर्मों का आदर किया जाता है, वहां एक धर्म के प्रति इस तरह का अनादर दूसरे देश में नहीं मिलेगा। देवी-देवताओं का अनादर हो या उदयपुर कांड, इस पर वाम दल और कांग्रेसियों के मुंह सिले हुए हैं। वह चुपचाप तमाशा देखने की स्थिति में हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने इसे महुआ का निजी बयान बताया है। मां काली के पोस्टर को लेकर ममता बनर्जी की पार्टी की सांसद महुआ मोइत्रा के विवादित बयान ने देशभर में विरोध की आग पैदा कर दी है, जिसे लेकर भाजपा ने कोलकाता में विरोध-प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं भाजपा की ओर से महुआ के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि पुलिस अगर १० दिनों के भीतर महुआ पर कार्रवाई नहीं करती तो ११वें दिन हमें न्यायालय जाना पड़ेगा। दूसरी ओर महुआ के बयान से तृणमूल कांग्रेस ने किनारा कर लिया है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से ट्वीट में लिखा गया है कि महुआ का बयान निजी है। इससे तृणमूल कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं है। इस बयान के बाद महुआ मोइत्रा ने भी तृणमूल कांग्रेस का ट्विटर अकाउंट अनफॉलो कर दिया है। जबकि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भी महुआ के बयान पर कहा है कि हमें सबकी भावनाओं को समझना होगा। हाल ही में एक इवेंट के दौरान महुआ मोइत्रा ने पोस्टर का समर्थन करते हुए कहा कि काली के कई रूप हैं। मुझे इस पोस्टर को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। कई जगह देवताओं को तो शराब तक चढ़ाई जाती है। मेरे नजर में देवी काली एक मांस खाने वाली और शराब पीने वाली देवी के रूप में है।

फिल्म मेकर लीना मणिमेकलई की इस डॉक्यूमेंट्री के पोस्टर में मां काली को सिगरेट पीते हुए दिखाया गया है। साथ ही काली बनी महिला के हाथ में एलजीबीटीक्यू का झंडा भी नजर आ रहा है। इस पोस्टर के सामने आने के बाद न सिर्फ इसकी कड़ी निंदा की जा रही है, बल्कि इसे प्रतिबंध करने की मांग भी उठ रही है। इसके अलावा फिल्म की निर्देशक लीना मणिमेकलई पर कई जगह प्राथमिकी भी दर्ज हो चुकी है। वैसे काली के पहले भी हिंदू देवी-देवताओं के अपमान की कई फिल्में-सीरीज सामने आती रही हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई अनुराग बसु की फिल्म लूडो के एक सीन पर लोगों ने धार्मिक भावनाओं पर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया था। फिल्म के एक दृश्य में नाटक करने वाले तीन लोग ब्रह्मा, विष्णु, महेश की वेशभूषा में सड़क पर नाचते-कूदते दिखाए गए थे। यही नहीं एक दृश्य में भगवान शंकर और महाकाली गाड़ी को धक्का लगाते दिखाए गए थे। सैफ अली खान स्टारर वेब सीरीज तांडव में भी हिंदू देवी-देवताओं का अपमान किया गया था। इस सीरीज में दिखाए गए दृश्य पर जमकर बवाल हुआ था। सीरीज के एक दृश्य में कुछ लोग कॉलेज प्ले में भगवान शिव का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। लेकिन इस प्ले के दौरान भगवान का किरदार निभाने वाले कलाकारों की वेशभूषा और उनकी बातचीत पर लोगों से कड़ी आपत्ति जताई थी। साथ ही हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने के लिए इसे प्रतिबंधित करने की भी मांग की थी।

वर्ष २०१४ में आई आमिर खान और अनुष्का शर्मा स्टारर फिल्म पीके पर भी उस समय जमकर विवाद खड़ा हुआ था। इस फिल्म पर भी हिंदू-देवी देवताओं का मजाक उड़ाने का आरोप लगा था। फिल्म के एक दृश्य में भगवान शंकर का रूप लिए एक व्यक्ति को डर के मारे टॉयलेट में इधर-उधर भागते हुए दिखाया गया था। वेब सीरीज ए सूटेबल ब्वॉय भी विवादों में फंसी थी। दरअसल, सीरीज के एक सीन में मंदिर प्रांगण में अश्लील दृश्य फिल्माया गया था, जिसके बाद इस दृश्य पर लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगा था। इस सीरीज का हिंदू संगठनों ने जमकर विरोध किया था। कुल मिलाकर हिंदू-देवी देवताओं का एक वर्ग विशेष के लोगों और फिल्म के क्षेत्र में अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए विवादित दृश्य फिल्माये जाते रहे हैं ताकि हिंदुओं की भावनाएं भड़काने का काम किया जा सके। इसके विपरीत मुस्लिम और ईसाई धर्म की आशाओं पर कभी इस तरह की छूट नहीं की जाती। वामपंथ और कांग्रेस द्वारा तो देवी-देवताओं के अपमान पर कभी कोई टिप्पणी भी नहीं की जाती। इससे स्पष्ट है कि यह दल किस तरह तुष्टीकरण नीति को बढ़ावा देकर हिंदुओं का अपमान करने को तैयार हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

घृणा और प्रतिशोध का नया दौर

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की चुनावी रैली के दौरान हत्या स्तब्ध करती है। वह हंसमुख और मिलनसार राजनेता थे। उन पर भला ऐसा हमला क्यों हुआ? हमलावर तेत्सुआ यामागामी कभी नौसेना में हुआ करता था। उसमें इतनी नफरत क्यों और कहां से आई? जापान 9गन-कल्चर" से खुद को दूर रखता आया है। उसकी धरती पर रचा गया यह कांड गहरी साजिश के साथ घृणा के उस सैलाब की ओर इशारा करता है, जिसने संसार भर में समाज और सरकारों के बीच जानलेवा अलगाव पैदा कर दिया है। हमारा देश भी इससे अछूता नहीं है और यहीं के उदाहरण से चर्चा शुरू करता हूं। पिछले हफ्ते गाजियाबाद की एक रिहायशी सोसायटी में अलस्सुबह छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान एक प्रख्यात चैनल के एंकर को गिरफ्तार करने पहुंचे। वे अपने काम को अंजाम दे पाते, इससे पहले संबंधित थाने की पुलिस वहां पहुंचकर उनसे सवाल-जवाब करने लगती है। देखते-देखते हाथापाई की नौबत आ जाती है। धक्का-मुक्की का यह दौर जारी था कि नाटकीय अंदाज में गौतमबुद्धनगर पुलिस की एंट्री होती है। वह उस एंकर को अपने साथ ले जाती है। गजब यह कि अखबारों में छपा, नोएडा पुलिस ने पत्रकार के यहां दबिश की रवानगी बिना प्रथम सूचना दर्ज किए कर डाली थी।

इसके बाद नोएडा के सेक्टर २० थाने में दिन भर 9टेक्निकल" वाद-विवाद चलता है। छत्तीसगढ़ के पुलिसकर्मियों के पास गिरफ्तारी वारंट था, जबकि गौतमबुद्धनगर पुलिसकर्मियों का कहना था कि हमारे पास जी न्यूज प्रबंधन द्वारा लिखाई गई शिकायत है, जिसमें हम संबंधित 9एंकर" को संदिग्ध मान रहे हैं। बाद में उस एंकर को गिरफ्तार कर थाने से ही जमानत पर रिहा कर दिया गया, पर वह छत्तीसगढ़ पुलिस के हाथ आने के बजाय गुम हो जाता है। उसके अधिकारी रायपुर की अदालत में इस एंकर को फरार बताते हुए कुर्की वारंट जारी करने की गुहार लगा देते हैं। वे गाजियाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी उनके कर्मचारियों की औपचारिक शिकायत दर्ज कराते हैं। चूहे-बिल्ली का यह खेल अगले तीन दिन तक जारी रहता है। शुक्रवार की दोपहर आला अदालत ने रोहित रंजन की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी और रायपुर से आए दस्ते को हाथ मलते हुए लौटना पड़ा।

बिहार में युवक की पीट-पीटकर हत्या, प्राइवेट पार्ट को काट डाला; बकरीद की नमाज अदा कर घर से निकला था अकबर अंसारी

एंकर पर आरोप है कि उसने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक बयान को गलत संदर्भ में पेश किया। हालांकि, चैनल ने अगले दिन खुद को घिरता देख माफी मांग ली थी, पर मामला ठंडा नहीं हुआ। इस समूचे प्रकरण ने उन प्रश्नों को पुन: धार दे दी है, जो कई सालों से रह-रहकर उभरते आए हैं। क्या पुलिस भी अब तेरी-मेरी हो गई है? कानून का अनुपालन क्या अब सत्तारूढ़ पार्टी के हक-हुकूकों के तहत किया जाएगा?

इन सवालों पर चर्चा इसलिए जरूरी है, क्योंकि इस कार्यशैली से संविधान की सुरक्षा और उसके प्रति लोगों की निष्ठा खतरे में पड़ रही है। आपको याद होगा। कुछ हफ्ते पहले इसी तरह का तमाशा दिल्ली में दिखा था, जब पंजाब और दिल्ली की पुलिस भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक पदाधिकारी की गिरफ्तारी को लेकर आमने-सामने थी। बाद में पंजाब पुलिस को हरियाणा में रोक लिया गया और उन्हें 9तकनीकी आधार" पर उस नेता को रिहा करना पड़ा। मामला अदालत के विचाराधीन है और नेता जी दिल्ली में स्वतंत्र घूम रहे हैं। मैं चाहूं, तो ऐसी तमाम घटनाओं की याद दिला सकता हूं, जब राजनीतिक कारणों से एक राज्य के पुलिसकर्मी दूसरे राज्य के वर्दीधारियों से टकरा गए या खुल्लम-खुल्ला केंद्रीय एजेंसियों के सामने जा खड़े हुए।

क्या इससे भारत के संघीय ढांचे को खतरा नहीं पैदा हो रहा?

यह मुद्दा तब और गंभीर हो जाता है, जब हम पत्रकारिता के साथ न्यायपालिका पर हो रहे हमलों को तेज से तेजतर होता पाते हैं। पूर्व भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा पर एक न्यायमूर्ति द्वारा की गई कठोर टिप्पणी को लेकर तरह-तरह की बातें सोशल मीडिया पर तूफान मचाए हुए हैं। न्यायपालिका के खिलाफ पहले भी बोला और लिखा जाता रहा है, पर वह असहमति का सूचक होता था। उग्र आलोचना और नियोजित 9कैंपेनिंग" का यह दौर अब तक अजनबी था।

भारत ही नहीं, समूची दुनिया इस समय नफरत के इसी कारोबार से लहूलुहान है। सोशल मीडिया के महाकाय कॉरपोरेट जब फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और ऐसे अन्य प्लेटफॉर्म लेकर सामने आए, तब कहा गया था कि इससे दुनिया एक-दूसरे के करीब आएगी। शुरू में ऐसा हुआ भी, पर बाद में ये प्लेटफॉर्म बेलगाम हो गए। प्यू रिसर्च सेंटर ने पिछले साल दावा किया था कि ४१ फीसदी अमेरिकी कभी न कभी ऑनलाइन उत्पीड़न से वाबस्ता हुए हैं। १८ से ४५ साल के व्यक्तियों के बीच हुए एक अन्य अध्ययन में ८३ प्रतिशत लोग नफरत के शिकार बताए गए। नस्ल, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग, शारीरिक विकार और विस्थापन जैसे संवेदनशील मुद्दे चरमपंथी विचारों और समूहों की भेंट चढ़ चुके हैं। 9व्हिसलब्लोअर" फ्रांसेस हौगेन ने ब्रिटिश संसदीय दल के समक्ष लगभग दो साल पहले दावा किया था कि फेसबुक (अब मेटा) अपने मुनाफे के लिए घृणा के इस दौर को हवा दे रहा है। भारतीय मूल के इंजीनियर अशोक चंदवने ने कंपनी को अलविदा कहते हुए लिखा था, 9मैं अब ऐसे संगठन में योगदान नहीं दे सकता, जो अमेरिका और दुनिया भर में नफरत को बढ़ावा दे रहा है।"

हालांकि, मेटा ने इस दावे को नकारते हुए कहा है कि हम तो जहर बुझी सामग्री की सफाई का काम करते हैं। उसके अनुसार, सिर्फ भारत में पिछली मई में १.७५ करोड़ पोस्ट इसलिए हटा दी गई, क्योंकि उनमें आपत्तिजनक सामग्री पाई गई। आप जानते ही होंगे, लगभग तीन अरब लोग हर माह मेटा प्लेटफॉर्म का थोड़ा या बहुत इस्तेमाल करते हैं।

कोई कुछ भी कहे, पर यह सच है कि सोशल मीडिया अपनी राह से भटक गया है। इसके पीछे सुनियोजित प्रयास हैं, क्योंकि समूची दुनिया में अब ताजो-तख्त का फैसला जोड़ने के बजाय तोड़ने के मुद्दे पर किया जाने लगा है। हुकूमतें और हुक्मरां इसके जरिये लोगों का ध्यान असली मुद्दों से हटाने में कामयाब होते हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष २०१९ के बाद से धरती पर ८१.१० करोड़ लोग खाली पेट सोने को मजबूर हैं। हर रोज २५ हजार इंसान भूख से तड़प-तड़पकर जान दे देते हैं। यही नहीं, ४५ देशों के पांच करोड़ से अधिक लोग अकाल के कगार पर हैं। इस बदहाली का एक जिम्मेदार नफरतों का महाकाय कारोबार भी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सन २०१७ में भारतीय अर्थव्यवस्था को इससे नौ फीसदी का नुकसान उठाना पड़ा, जो प्रति-व्यक्ति ४० हजार रुपये से अधिक बैठता है। हो सकता है, कुछ लोग इन आंकड़ों से असहमत हों, पर यकीनन कोविड ने इस मार को और मारक बना दिया है। क्या आप सोशल मीडिया पर ऐसे मुद्दों पर सार्थक बहस देखते-पढ़ते-सुनते हैं? यह तथ्य तथाकथित 9मेनलाइन मीडिया" को भी ठहरकर सोचने की दावत देता है।

यही वजह है कि दूसरे महायुद्ध के बाद जिन उच्चतम लोकतांत्रिक आदर्शों ने जोर पकड़ा था, वे ऐसी हरकतों से शिथिल होने लगे हैं। राजनेताओं के साथ पत्रकार और न्याय क्षेत्र से जुड़े लोग भी इस दौरान विचलन का शिकार बनते रहे हैं। किसी सयाने ने कहा था कि अगर कोई थप्पड़ मारे, तो उस पर नाराज होने के बजाय अपनी कमजोरियों पर गौर करो। न्यायमूर्तियों की न्यायकर्ता जानें, पर क्या हम पत्रकार ऐसा कर रहे हैं?

भारत गोद ले ले श्रीलंका को

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

श्रीलंका में वह हो रहा है, जो हमारे दक्षिण एशिया के किसी भी राष्ट्र में आज तक कभी नहीं हुआ। जनता के डर के मारे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भागकर कहीं छिप जाना पड़े, ऐसा इस भारतीय उपमहाद्वीप के किसी देश में कभी हुआ है क्या? हमारे कई पड़ोसी देशों में फौजी तख्तापलट, अंदरुनी बगावत और संवैधानिक संकट के कारण सत्ता परिवर्तन हुए हैं लेकिन श्रीलंका में हजारों लोग राष्ट्रपति भवन में घुस गए और प्रधानमंत्री के निजी निवास को उन्होंने आग के हवाले कर दिया। राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघ को अपने इस्तीफों की घोषणा करनी पड़ी। श्रीलंका की जनता तो जनता, फौज और पुलिस ने भी इन नेताओं का साथ छोड़ दिया। दोनों ने न तो प्रधानमंत्री के जलते हुए घर को बचाने के लिए गोलियां चलाईं और न ही राष्ट्रपति के जूते और कपड़ों को हवा में उछालनेवालों पर लाठियां बरसाईं।

ये हजारों लोग राजधानी कोलंबो और उसके बाहर से भी आकर जुटे थे। जब श्रीलंका में पेट्रोल का अभाव है और निजी वाहन नहीं चल पा रहे हैं तो ये लोग आए कैसे? ये लोग दर्जनों मील पैदल चलकर राष्ट्रपति भवन पहुंचे हैं। उनके गुस्से का अंदाज सत्ताधारियों को पहले ही हो चुका था। पिछले तीन महीने से श्रीलंका अपूर्व संकट में फंसा हुआ है। महंगाई और बेरोजगारी आसमान छू रही थी। सिर्फ सवा दो करोड़ लोगों का यह देश अरबों-खरबों डालर के कर्ज में डूब रहा है। ७५ प्रतिशत लोगों को रोजमर्रा का खाना भी पूरा नसीब नहीं हो पा रहा है। जो भाग सकते थे, वे नावों में बैठकर भाग निकले। जो नेता याने महिंद राजपक्षे श्रीलंका का महानायक बन चुका था, इसलिए कि उसे तमिल आतंकवाद को नष्ट करने का श्रेय था, उसे प्रधानमंत्री के पद से ९ मई को इस्तीफा देना पड़ा और अब उसके भाई गोटाबाया ने अपना इस्तीफा १३ जुलाई को देने की घोषणा की है। इस सरकार में राजपक्ष परिवार के पांच सदस्य उच्च पदों पर रहकर पारिवारिक तानाशाही चला रहे थे। ऐसी पारिवारिक तानाशाही किसी भी लोकतांत्रिक देश में सुनने में नहीं आई।

उन्होंने बिना व्यापक विचार-विमर्श किए ही कई अत्यंत गंभीर आर्थिक और राजनीतिक फैसले कर डाले। विरोधियों की चेतावनियों पर भी कोई कान नहीं दिए। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की चेतावनियों को भी उन्होंने दरी के नीचे सरका दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री बदला और कई मंत्री भी बदल दिए। लेकिन यह बदलाव भी किसी काम नहीं आया। अब सर्वदलीय सरकार यदि बन भी गई तो वह क्या कर लेगी? इस समय श्रीलंका को जबरदस्त आर्थिक टेके की जरूरत है। भारत चाहे तो संकट की इस घड़ी में कुछ समय के लिए इस पड़ोसी देश को गोद ले सकता है। यह देश भारत के किसी छोटे से प्रांत के बराबर ही है। श्रीलंका की बौद्ध और तमिल जनता भारत के इस अहसान को सदियों तक याद रखेगी।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं।)

राज्यपाल उइके जैन समाज के विशुद्ध वर्षायोग २०२२ कार्यक्रम में हुईं शामिल

रायपुर : राज्यपाल अनुसुईया उइके आज रायपुर के श्री खण्डेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित विशुद्ध वर्षायोग कार्यक्रम में शामिल हुईं।

राज्यपाल ने सर्वप्रथम खण्डेलवाल जैन मंदिर में पहुंचकर जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों के दर्शन कर छत्तीसगढ़ राज्य की खुशहाली एवं प्रगति की कामना की। इसके बाद राज्यपाल ने कार्यक्रम स्थल विशुद्ध देशना मण्डप पहुंचकर दिगम्बर जैन संत आचार्य विशुद्ध सागरजी महाराज सहित समस्त जैन संतों के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। साथ ही राज्यपाल सुश्री उइके ने विराग जी महाराज के चित्र का अनावरण भी किया।

राज्यपाल सुश्री उइके ने इस अवसर पर जैन समाज को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए यह गर्व का विषय है कि जैन संत आचार्य विशुद्ध सागरजी महाराज अपने शिष्यों सहित छत्तीसगढ़ की धरा में पधार कर यहां पर चातुर्मास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म हमें समानता, आत्मनियंत्रण, त्याग तथा सद् आचरण की शिक्षा देता है। साथ ही उन्होंने कहा कि कभी भी समाज में किसी भी प्रकार की आपदा-संकट की स्थिति आती है, जैन समाज सदैव सामने आता है और खुले मन से दीनदुखियों की मदद करता है। वे किसी भी पद पर हों या धन-धान्य से परिपूर्ण हों परन्तु जब समाज को उनकी जरूरत होती है, वे बड़ा से बड़ा त्याग कर समाज के लिए कार्य करते हैं। उनकी इसी सेवा भावना के कारण ही वे समाज में निरंतर प्रगति कर रहे हैं और हर क्षेत्र में ऊंचाईयों में स्थापित हैं।

उन्होंने कहा कि जैन संत और उनके अनुयायी महावीर स्वामी द्वारा बताए गए सिद्धांतों को जीवन में उतारते हैं और उसी के अनुसार आचरण करते हैं। वे सदैव अहिंसा के मार्ग पर चलते हैं तथा जीव हत्या न हो, इस पर विश्वास करते हैं और उसके अनुसार ही कार्य भी करते हैं। वर्षा ऋतु में नये-नये सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति होती है और इस दौरान किसी भी प्रकार की जीव हत्या न हो, इस कारण जैन मुनि एक ही जगह पर रूक कर चातुर्मास का आयोजन कर अपनी धार्मिक क्रियाओं को संपन्न करते हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान किए गए कर्म और विभिन्न धार्मिक क्रियाओं से आसपास के वातावरण में शुद्धता आती है और शांति व सद्विचारों का वातावरण निर्मित होता है। साथ ही समाज के लोगों को यह संदेश मिलता है कि हम अपने जीवन को किस प्रकार अच्छे कार्यों में लगाएं, जिससे पूरे देश और प्रदेश में शांति, खुशहाली और भाईचारे का वातावरण निर्मित हो।

इस दौरान राज्यपाल ने दैनिक विश्व परिवार समाचार पत्र के विशेषांक का विमोचन किया। साथ ही इस विशिष्ट अवसर पर जैन समाज ने राज्यपाल सुश्री उइके को सम्मान स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

धमतरी : सावन के हर सोमवार मिट्टी के शिवलिंग की होगी पूजा

धमतरी, : परमार्थ आश्रम रामजानकी मंदिर डिही पारा सेमरा में सावन के हर सोमवार बच्चों के बौद्धिक विकास हेतु मिट्टी के शिवलिंग की स्थापना कर पूजन किया जाएगा।

मंदिर की संरक्षक साध्वी रोहिणी देवी ने बताया कि क्षेत्र के बच्चों के बौद्धिक विकास, संस्कारवान, विचारवान बनाने हेतु सावन महीने के हर सोमवार को मिट्टी के शिवलिंग की स्थापना, पंचोपचार शिवपूजन, यज्ञ, आहूति आरती, विसर्जन होगा। सभी आगंतुक बच्चे या इच्छुक पालक, माता-पिता अपने बच्चों के नाम शिवलिंग पूजन में भाग ले सकते हैं। साध्वी रोहिणी देवी ने बताया कि सावन महीने में प्रति दिन भगवान शिव की पूजा श्रेष्ठ व सोमवार फलदायी माना जाता है। सावन महीने के प्रति सोमवार को मिट्टी की शिवलिंग स्थापना, यज्ञ, पूजन केवल बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए किया जाएगा एवं प्रतिदिन साधना, मंत्रोच्चार, पूजन आरती होगी। इच्छुक बच्चों के पालक, माता-पिता राम जानकी मंदिर डीहीपारा सेमरा में संपर्क कर सकते हैं। मोबाइल नंबर ९७५३४ ६७६२१ पर निश्शुल्क पंजीयन करा सकते हैं।

झारखंड हाई कोर्ट ने मधुकांत को नहीं दी विदेश जाने की अनुमति

रांची, : झारखंड हाई कोर्ट ने मंगलवार को ३४वें राष्ट्रीय खेल घोटाला मामले में आरोपित मधुकांत पाठक की विदेश जाने के लिए पासपोर्ट रिलीज करने वाली याचिका को खारिज कर दिया।

दरअसल, आरोपित मधुकांत पाठक का निचली अदालत में पासपोर्ट जमा है। पाठक ने कोर्ट में दो आवेदन किए थे। इसमें से एक में उन्होंने अपने पोते को देखने के लिए विदेश जाने की इच्छा जताई चाहते हैं। वह विदेश में दो माह का समय बिताना चाहते हैं। उन्होंने कोर्ट से पासपोर्ट रिलीज करने का आग्रह किया था। उन्होंने दूसरे आवेदन में एथलीट संघ के लिए टीम के मैनेजर के रूप में विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। एथलीट संघ का १५ जुलाई से २४ जुलाई तक एक इवेंट ओरेगन, यूएसए में होना है।

मंगलवार को हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीबीआई ने मधुकांत पाठक के इस आवेदन का विरोध किया। सीबीआई ने कहा गया कि इस मामले की जांच में १३ साल की देरी हो चुकी है। इनके विदेश जाने से अनुसंधान प्रभावित होगा। दूसरी बात यह कि विदेश जाने के बाद मधुकांत पाठक वापस भारत आएंगे, यह कहना मुश्किल है। कोर्ट ने सीबीआई का पक्ष सुनने के बाद पाठक की याचिका को खारिज कर दिया।

उल्लेखनीय है कि ३४वें राष्ट्रीय खेल घोटाला मामले में सरकार को २८ करोड़ ३८ लाख रुपया का नुकसान हुआ था। मामले की जांच पहले निगरानी ब्यूरो कर रही थी। बाद में ११ अप्रैल २०२२ को इस मामले को सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया था। मधुकांत पाठक एनजीओसी के कोषाध्यक्ष पद पर थे।

झारखंड की छह युवतियों की तमिलनाडु से हुई सकुशल घर वापसी

रांची, : झारखंड सरकार ने चाईबासा स्थित सोनुवा प्रखंड की छह युवतियों की तमिलनाडु से सुरक्षित वापसी करायी है। ये सभी युवतियां बन्नारी स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड, तमिलनाडु में धागा बनाने का काम करने गयी थीं। सभी के पारिश्रमिक का कुल ३६,००० रुपये का भी भुगतान कराया गया है।

इस कार्य में राज्य सरकार द्वारा शुरू किये गये सेफ एंड रिस्पॉन्सिबल माइग्रेशन सेंटर, चाईबासा एवं राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुक्त करायी गयी युवतियों को एक ठेकेदार द्वारा तमिलनाडु के त्रिपुर स्थित

बन्नारी अम्मन स्पिनिंग मिल में काम दिलाया गया था। जब तीन-चार माह बाद युवतियां घर लौटने लगीं तो ठेकेदार ने पैसे की मांग करने पर उन्हें रोक लिया। इसके बाद युवतियों ने राज्य सरकार से मदद मांगी। सरकार के निर्देश पर सभी युवतियों को सकुशल वापस लाया गया।

बच्चों के अधिकार और संरक्षण पर तीसरे चरण का प्रशिक्षण संपन्न

खूंटी : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में बच्चों के अधिकार एवं उनके संरक्षण को लेकर मंगलवार को डालता खूंटी के सभागार भवन में तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण के तीसरे तथा अंतिम चरण में लोगों को बच्चों के अधिकार और उनके संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। प्रथम चरण का प्रशिक्षण २६ अप्रैल को, दूसरा तीन जून को और तीसरा प्रशिक्षण १२ जुलाई को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ जिला जज प्रथम ने किया।

उन्होंने कहा कि बच्चे ही देश के भविष्य हैं और इनका संरक्षण, पालन पोषण और उनके अधिकारों की जानकारी देना जरूरी है। उन्होंने पोक्सो से संबंधित कानून एवं संबंधित जागरुकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि पीड़ित लड़की या लड़का दोनों हो सकते हैं, अगर वे १८ वर्ष से कम आयु के हैं, तो उनके विरुद्ध अपराध पॉक्सो में आता आता है। प्रशिक्षण में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सत्यपाल ने बच्चों के संरक्षण के लिए जिले के सभी पीएलबी को अपने क्षेत्र में कार्य करने का निर्देश दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

खूंटी, : कर्रा थाना क्षेत्र के चिउर जंगल के पास रेलवे लाइन पर मंगलवार को लगभग एक २५ वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया। आरपीएफ के अनुसार इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। लोधमा टोओपी प्रभारी नंदकिशोर ने बताया कि इंटरसिटी एक्सप्रेस के चालक द्वारा कर्रा स्टेशन को सूचित किया कि चिउर जंगल के पास एक युवक की एक्सप्रेस की चपेट में आ जाने से मौत हो गयी है। इसकी सूचना कर्रा थाना की पुलिस को कर्रा रेल स्टेशन के प्रबंधक द्वारा दी गयी। तत्काल लोधमा टीओपी प्रभारी ने घटनास्थल पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक युवक ब्लू रंग का फुल पैंट और ब्लू रंग की शर्ट पहने हुए था। पुलिस मृतक की पहचान कराने में लगी हुई है।

धमतरी : उचित उत्पादन के लिए डीएपी के बदले अन्य उर्वरक का उपयोग करें किसान

धमतरी, : खरीफ फसल की खेती के समय पर किसानों को डीएपी उर्वरक नहीं मिल पाने से खेती का कार्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे में कृषि विभाग ने अच्छे उत्पादन के लिए डीएपी के बदले जैविक खाद व अन्य उर्वरक का उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही कहा गया है कि हरी खाद का ज्यादा से ज्यादा उपयोग, रोपा वाले धान क्षेत्र में नर्सरी के साथ ही अन्य रकबे में हरी खाद की फसल लगाई जाए।

देश में डीएपी उर्वरक की कम उपलब्धता के मद्देनजर किसानों को इसके विकल्प के संबंध में कृषि विभाग ने सम सामयिक सलाह दी है। किसान हरी खाद का ज्यादा से ज्यादा उपयोग, रोपा वाले धान क्षेत्र में नर्सरी के साथ ही अन्य रकबे में हरी खाद की फसल लगाएं। किसान अधिक से अधिक कल्चर का उपयोग करें। कहा गया है कि इसे १०-१५ किलोग्राम फास्फेटिकि और नाइट्रोजीनस कल्चर से १०-१५ किलोग्राम नाइट्रोजन पौधों को उपलब्ध हो सकता है, जिससे उसी अनुपात में उर्वरक कम डालना पड़ेगा। नर्सरी उखाड़ने के बाद पौधों को १०-१२ घंटे कल्चर घोल में रखने और उसके बाद रोपाई करने की सलाह दी गई है। साथ ही मवेशियों को खुला नहीं छोड़ने, उन्हें बांधकर रखने की सलाह दी गई है। इससे खुले चराई का बचाव तो होगा ही, उपलब्ध गोबर को गोठानों में बेचा जा सकेगा।

धान के बदले दलहन-तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार की जानकारी देते हुए उप संचालक ने बताया कि राजीव गांधी न्याय योजना के तहत प्रति एकड़ दस हजार रुपये शासन की ओर से प्राप्त होगा। अरहर, मूंग एवं उड़द समर्थन मूल्य में समितियों में क्रय करने से विक्रय की समस्या नहीं होगी। साथ ही मूल्य अधिक, लागत व्यय कम होने तथा वर्तमान स्थिति के अनुसार श्रमिक, मजदूर उपलब्ध नहीं हो पाने की समस्या का निदान होगा, जिससे धान की तुलना में शुद्ध लाभ अधिक होगा। इसे किसानों के भोजन में उपयोग करने से उन्हें पौष्टिक आहार भी मिलेगा। धान के बदले कोदो, रागी फसलों के क्षेत्र विस्तार के संबंध में बताया गया कि राजीव गांधी न्याय योजना का लाभ मिलेगा। समर्थन मूल्य में वन समितियों द्वारा खरीदने की वजह से इनकी बिक्री की समस्या खत्म हो गई है। इनमें प्रति एकड़ ६-८ क्विंटल उत्पादन मिल रहा है। इससे किसान को शुद्ध लाभ नगद फसल के तौर पर मिल रहा है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में कुपोषण की समस्या इन फसलों की उच्च पोषण मूल्य होने से दूर हो रही है। कोदो के साथ मक्का अथवा अरहर लगाने से दो फसल एक ही अवधि लेकर उत्पादित किया जा सकता है, जो कि अतिरिक्त शुद्ध लाभ देगा।

कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यदि खेत में वर्मी कंपोस्ट का उपयोग किया जाए तो इससे जमीन की जलधारण क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है, साथ ही जड़ों का विकास होता, जिससे सूखा सहन करने की क्षमता में वृद्धि होती है। बोता वाले खेतों में यदि बोते समय कल्चर नहीं डाला गया है, तो नमी खेत में वर्मी कंपोस्ट के साथ मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है। इससे भी उर्वरक के खर्च को कम किया जा सकता है। डीएपी उपलब्ध नहीं होने पर किसान यूरिया एवं सिंगल सुपर फास्फेट का समानुपातिक मिश्रण बनाकर भी उपयोग कर सकते हैं। इससे पौधों की वृद्धि में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और अतिरिक्त रूप से सल्फर, पौधों को उपलब्ध होगा।

गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने लिखी देवघर में विकास की पटकथा

रांची, : झारखंड का देवघर जिला मंगलवार को एक साथ कई ऐतिहासिक शुरूआतों का साक्षी बना। संथाल परगना के इन ऐतिहासिक तोहफों की पटकथा गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने लिखी है। हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला मौका है, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी झारखंड दौरे पर हैं। उन्होंने देवघर में एयरपोर्ट के अलावा कई योजनाओं का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री समेत पूरा सरकारी महकमा देवघर में डेरा डाले है।

देवघर में एम्स और एयरपोर्ट बनाने का श्रेय शुरू से ही सांसद निशिकांत प्रधानमंत्री को देते रहे हैं। एयरपोर्ट को लेकर निशिकांत का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लेकर देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री के साथ विवाद चर्चा में रहा। यहां तक कि एयरपोर्ट के एप्रोच रोड के लिए वे हाई कोर्ट तक चले गए। झारखंड मुक्ति मोर्चा या कांग्रेस ने जब भी कभी एयरपोर्ट निर्माण का श्रेय लेना चाहा तो निशिकांत ने एक सधे राजनीतिज्ञ के तौर पर दोनों पार्टियों को बैकफुट पर धकेल दिया। इसका श्रेय लेने की होड़ में निशिकांत दूबे की गोड्डा स्टेशन से दिल्ली के लिए चलने वाली ट्रेन के शुभारंभ के मौके पर स्थानीय विधायक प्रदीप यादव के साथ हाथापायी तक की नौबत आ गयी थी। भाजपा और कांग्रेस समर्थक तो आपस में भिड़े ही बल्कि निशिकांत और प्रदीप यादव भी आपस में भिड़ गए थे। अब एयरपोर्ट उद्घाटन का कार्यक्रम निश्चित होने पर निशिकांत महीनेभर पहले से ही देवघर में कैंप किए रहे। प्रधानमंत्री के आगमन की घोषणा उन्होंने अपनी पार्टी से पहले ही कर दी।

व्यापार

शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी, सेंसेक्स ५०८ अंक और निफ्टी १५७ अंक लुढ़क कर बंद

नई दिल्ली : कमजोर वैश्विक संकेतों के दबाव में घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। मंगलवार को दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का सेंसेक्स ५०८.६२ अंक और एनएसई का निफ्टी १५७.७० अंक गिरकर बंद हुआ। इसके पहले सोमवार को भी शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ था।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स आज १७५.४५ अंक की कमजोरी के साथ ५४,२१९.७८ अंक के स्तर पर खुला। बाजार में शुरुआती दौर में लिवाली का जोर चला लेकिन कुछ देर बाद ही बाजार में तेज उतार-चढ़ाव शुरू हो गया। दोपहर ११ बजे के बाद बाजार पर बिकवाल पूरी तरह से हावी हो गए, जिसके कारण सेंसेक्स गिरकर ५३,९९५.३१ अंक के स्तर पर पहुंच गया।

इस गिरावट के बाद खरीदारों ने जोर लगाया, जिसकी वजह से बाजार की स्थिति में कुछ सुधार आने की संभावना भी बनी। अगले एक घंटे में ही बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण आज का कारोबार बंद होने के कुछ मिनट पहले सेंसेक्स ५७०.२६ अंक का गोता लगाकर आज के सबसे निचले स्तर ५३,८२४.९७ अंक तक पहुंच गया। आखिरी वक्त में हुए इंट्राडे सेटेलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स की स्थिति में मामूली सुधार हुआ और इस सूचकांक ने ५०८.६२ अंक यानी ०.९४ प्रतिशत की कमजोरी के साथ ५३,८८६.६१ अंक के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने आज ८९.८० अंक की गिरावट के साथ १६,१२६.२० अंक के स्तर पर आज के कारोबार की शुरुआत की। बाजार के उतार-चढ़ाव का असर निफ्टी की चाल पर भी पड़ा। दिन के पहले कारोबारी सत्र के बाद हो रही बिकवाली के दबाव में निफ्टी दोपहर १ बजे गिरकर १६,०८३.२५ अंक तक पहुंच गया।

हालांकि इस गिरावट के बाद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने एक्टिव होकर बाजार में खरीदारी शुरू कर दी, जिससे निफ्टी भी रिकवरी करके १६,१३९.८५ अंक तक पहुंचने में सफल रहा। कारोबार के आखिरी घंटे में बाजार में हुई बिकवाली के कारण निफ्टी १८४.८५ अंक की तेज गिरावट के साथ आज के सबसे निचले स्तर १६,०३१.१५ अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी ने कुछ सुधर कर १५७.७० अंक यानी ०.९७ प्रतिशत की गिरावट के साथ १६,०५८.३० अंक के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

आज दिन भर के कारोबार के बाद दिग्गज शेयरों में से एनटीपीसी १.५९ प्रतिशत, श्री सीमेंट्स ०.५४ प्रतिशत, भारती एयरटेल ०.३७ प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स ०.३७ प्रतिशत और कोल इंडिया ०.२८ प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप ५ गेनर्स की सूची में शामिल हुए। आयशर मोटर्स ३.०५ प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज २.६१ प्रतिशत, इंफोसिस २.३५ प्रतिशत, बीपीसीएल २.३० प्रतिशत और नेस्ले १.९७ प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप ५ लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

खुदरा महंगाई दर जून में मामूली गिरावट के साथ ७.०१ फीसदी पर

नई दिल्ली : महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को राहत देने वाली खबर है। खुदरा महंगाई दर जून महीने में मामूली घटकर ७.०१ फीसदी रही है, जबकि पिछले महीने में यह ७.०४ फीसदी रही थी। इस लिहाज से कह सकते हैं कि खुदरा महंगाई दर में पिछले महीने के मुकाबले मामूली गिरावट आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर जून में घटकर ७.०१ फीसदी हो गई, जबकि मई में यह ७.०४ फीसदी के स्तर पर थी। हालांकि, यह लगातार छठा महीना है, जबकि खुदरा महंगाई दर छह

फीसदी से ज्यादा रहा है।

खुदरा महंगाई दर इससे पहले जनवरी, २०२२ में ६.०१ फीसदी, फरवरी में ६.०७ फीसदी, मार्च में ६.९५ फीसदी और अप्रैल में ७.७९ फीसदी पर पहुंच गई थी। हालांकि, दिसंबर, २०२१ में यह ५.५६ फीसदी के स्तर पर थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपने संशोधित अनुमान में खुदरा महंगाई दर ६.७ फीसदी रहने का अनुमान जताया था।

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक बुधवार को

नई दिल्ली, : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक बुधवार, १३ जुलाई को होगी। सीसीईए की बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित मोदी कैबिनेट के कई मंत्री शामिल होंगे। संसद के मानूसन सत्र के पहले आयोजित होने वाली इस बैठक में कई अहम फैसले होने की उम्मीद की जा रही है।

सीसीईए सरकार के आर्थिक मामलों में निर्णय लेने वाली मंत्रिमंडलीय समिति है। इस समिति की बैठक में भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गृहमंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री शामिल होते हैं। यह समिति भारत की आर्थिक नीतियों के मामलों में अंतिम निर्णय लेने और आर्थिक नीति को दशा और दिशा प्रदान करने लिए जिम्मेदार है।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क लंप और फाइंस की कीमत ५०० रुपये प्रति टन घटाई

नई दिल्ली, : राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) लिमिटेड ने 9लंप अयस्क" और 9फाइंस" की कीमतों में ५०० रुपये प्रति टन की कटौती की है। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है। एनएमडीसी ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में बताया कि दोनों खनिज पदार्थों की बढ़ी नई कीमतें मंगलवार से लागू हो गई है।

नियामकीय सूचना के मुताबिक कंपनी ने लौह अयस्क लंप की कीमत घटाकर ३,९०० रुपये प्रति टन और फाइंस की कीमत २,८१० रुपये प्रति टन कर दी है। एनएमडीसी ने बताया है कि लंप अयस्क और फाइंस की नई कीमतें १२ जुलाई से लागू हो गई है। कंपनी के मुताबिक इसमें रॉयल्टी, जिला खनिज कोष (डीएमएफ), राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (डीएमईटी), उपकर, वन परमिट शुल्क और अन्य कर शामिल नहीं है। दरअसल, लौह अयस्क इस्पात के विनिर्माण में उपयोग किए जाने वाला प्रमुख कच्चा माल है। इसकी कीमतों में किसी तरह के उतार-चढ़ाव का सीधा असर इस्पात के भाव पर पड़ता है। लौह अयस्क लंप ढेले के समान होते हैं, लेकिन इसे चूरे में बदलने के बाद फाइंस कहा जाता है। अब दोनों की कीमत में कटौती से इस्पात के भी दाम कम हो सकते हैं।

कैट ने कारोबारियों के लिए बोर्ड ऑफ ट्रेड के गठन को सराहा

नई दिल्ली, १२ जुलाई (हि.स.)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने व्यापार विकास एवं संवर्धन परिषद का विलय करके एक बोर्ड ऑफ ट्रेड (बीओटी) का गठन किया है। मंत्रालय के नवगठित इस बोर्ड में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल को सदस्य मनोनीत किया गया है। कारोबारी संगठन कैट ने भारत सरकार के इस फैसले की सराहना की है।

वाणिज्य मंत्रालय ने बोर्ड ऑफ ट्रेड के सभी सदस्यों के मनोनयन की घोषणा संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। बोर्ड में प्रवीन खंडेलवाल को बतौर सदस्य मनोनीत किया है। इसके अलावा देश के अन्य २८ प्रमुख लोगों को भी सदस्य के रूप में नामित किया गया है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बीओटी के गठन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का आभार व्यक्त किया है।

भरतिया ने कहा कि बोर्ड ऑफ ट्रेड का गठन देश के घरेलू एवं वैश्विक व्यापार में बेहतर विकास की संभावनाएं तलाशने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि बोर्ड देश में व्यापार के लिए अनुकूल माहौल लाने के लिए बेहतर कार्य करेगा।

कारोबारियों के लिए नवगठित बोर्ड राज्य सरकारों को व्यापार नीति में राज्य उन्मुख दृष्टिकोणों को स्पष्ट करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। बोर्ड अन्य कार्यों के साथ जिला निर्यात हब कार्यक्रमों के लिए एक सूत्रधार के रूप में कार्य करेगा। इसके साथ ही बोर्ड कई अन्य मुख्य मुद्दों के साथ-साथ आयात और निर्यात के लिए मौजूदा संस्थागत ढांचे की जांच के लिए विभिन्न क्षेत्रों के निर्यात प्रदर्शन की समीक्षा करेगा। इसके अलावा ये व्यापार की बुनियादी ढांचे के विकास में भी सहायता करेगा।

कांवड़ यात्रा- भगवा कपड़ों से सजा बाजार, मोदी-योगी की तस्वीरों वाली टी शर्ट्स की मांग बढ़ी

गुरुवार से सावन का महीना शुरू हो रहा है। हिंदू धर्म में सावन को काफी पवित्र महीना माना जाता है। इस महीने में पूजा पाठ का रिवाज बहुत पुराना है। इसके साथ ही सावन को भगवान शिव का महीना माना जाता है और कांवड़ यात्रा निकाली जाती है। इस बार का सावन शिव भक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह इसलिए है क्योंकि 2 सालों के बाद इस बार कांवड़ यात्रा निकालने की इजाजत मिल रही है। कोरोना वायरस की वजह से लगी पाबंदियों को हटा लिया गया है। इस साल शिव भक्त भगवान भोले का जलाभिषेक कर सकेंगे। इसको लेकर उनके अंदर उत्साह भी देखने को मिल रही है। बाजारों की रौनक भगवा कपड़े से और भी शानदार दिखाई दे रही है। इन सबके बीच बाजारों में देखें तो मोदी और योगी के नाम वाले टी शर्ट्स और गमछे की बिक्री बढ़ गई हैं। उत्तर प्रदेश में 90 सीटों का डिमांड काफी है। यही कारण है कि कई बाजारों में तो यह आउट ऑफ स्टॉक हो रहा है। दुकानदारों के मुताबिक इस टी शर्ट्स की मांग खूब हो रही है। इन टी शर्ट्स की बिक्री हाथों-हाथ हो जा रही है। इन टी शर्ट्स पर नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें देखने को भी मिल रही है। कुल मिलाकर देखें तो इन टी शर्ट्स की वजह से बाजारों में एक बार फिर से रौनक लौटने लगी है। कांवड़ यात्रा पर जाने वाले लोग भगवा टीशर्ट पहनकर ही जाते हैं।

अवरोधक हटा रहा एनसीआरटीसी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए दिल्ली-मेरठ रोड पर अवरोधक हटाना शुरू कर दिया है। इसी मार्ग से होकर श्रद्धालु हरिद्वार जाते हैं। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद यातायात पुलिस द्वारा तैयार किए गए मार्ग परिवर्तन योजना के तहत एनसीआरटीसी अपने यातायात कर्मियों को तैनात करेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, एनसीआरटीसी के एमडी विनय कुमार सिंह ने कांवड़ मार्ग के चौड़ीकरण और रैपिड रेल डिपो और प्रशासनिक भवन के निर्माण की प्रगति की निगरानी की।

अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि वह सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा। गत 14 जून को घोषित अग्निपथ योजना में साढ़े 17 से 21 वर्ष तक की आयु के युवाओं के लिए रक्षा बलों में केवल चार साल के लिए भर्ती होने का प्रावधान है, जिनमें से 25 प्रतिशत को अतिरिक्त 15 साल के लिए बनाए रखने का प्रावधान है। इस योजना के खिलाफ कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुए थे। बाद में, मोदी सरकार ने 2022 में भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया था। उच्च न्यायालय मंगलवार को लंबित याचिका में दायर एक आवेदन पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें भारतीय नौसेना के रोजगार विज्ञापन को चुनौती दी गई है। विज्ञापन में पहले से निर्धारित पात्रता मानदंड के विपरीत, कक्षा 12वीं की परीक्षा में कट-ऑफ अंक बढ़ाकर आवेदकों का चयन करने का अधिकार नौसेना के पास सुरक्षित होने की बात कही गई है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सूचित किया कि अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाले समान मामले पहले से ही उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं और उनकी एक साथ सुनवाई की जानी चाहिए। पीठ ने निर्देश दिया कि ऐसी सभी याचिकाओं को 20 जुलाई को सुनवाई के लिए एक साथ सूचीबद्ध किया जाए।

'भारत जोड़ो यात्रा' पर विचार-विमर्श करने के लिए बृहस्पतिवार को बैठक करेंगे कांग्रेस नेता

नयी दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेता दो अक्टूबर से शुरू होने वाली पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा' पर विचार-विमर्श करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां बैठक करेंगे। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस महासचिव, संगठन, के सी वेणुगोपालत ने सभी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिवों, विभिन्न राज्यों के प्रभारी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को 14 जुलाई को पार्टी मुख्यालय में बैठक में भाग लेने के लिए कहा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता संगठनात्मक चुनाव समेत पार्टी के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर भी चर्चा करेंगे। कांग्रेस 18 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के आगामी सत्र के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने के लिए एक और बैठक करेगी।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को बताया कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और वह गृह पृथक-वास में हैं। जनता दल (सेक्युलर) के नेता ट्वीट किया, ''हल्के बुखार और शरीर में दर्द के लक्षणों के बाद, मैंने कोविड की जांच कराई। मैं संक्रमित पाया गया हूं। चिकित्सकों ने मुझे घर में पृथक-वास में रहने और उपचार कराने की सलाह दी है।'' उन्होंने बताया कि चिकित्सक की सलाह के अनुसार, अगले 10 दिनों तक घर पर ही उनका इलाज किया जाएगा।

सलमान को मारने के लिए लारेंस विश्नोई ने खरीदी थी 4 लाख रुपए की राइफल

नई दिल्ली । गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने खुलासा किया है कि 2018 में उसने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की पूरी तैयारी कर ली थी। इसके लिए उसने खास राइफल भी खरीदी थी, जिसके लिए 4 लाख रुपये का पेमेंट किया था। लॉरेंस बिश्नोई इन दिनों पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के सिलसिले में पंजाब पुलिस की हिरासत में है। उससे पहले दिल्ली पुलिस ने उससे पूछताछ की थी। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के सूत्रों ने बताया कि लॉरेंस ने सलमान को मारने की वजह भी बताई। उसने कथित तौर पर कहा कि वह सलमान खान से चिंकारा के शिकार को लेकर नाराज था क्योंकि हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में बिश्नोई समुदाय को चिंकारा प्रिय हैं। सलमान खान के खिलाफ 1998 में राजस्थान के जोधपुर में 'हम साथ साथ हैं' फिल्म की शूटिंग के दौरान चिंकारा के शिकार का केस चला था। सलमान को जोधपुर की अदालत ने अप्रैल 2018 में दो काले हिरणों को मारने के जुर्म में पांच साल जेल की सजा सुनाई थी। सलमान ने सजा को ऊपरी अदालत में चुनौती दी है। इस मामले में सलमान को कुछ समय के लिए जोधपुर जेल में बंद भी रहना पड़ा था। बाद में उन्हें भरतपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। लॉरेंस बिश्नोई ने पुलिस पूछताछ में कथित तौर पर कबूल किया कि उसने सलमान खान को मारने के लिए राजगढ़ के रहने वाले संपत नेहरा को मैसेज भेजे थे। नेहरा उस समय फरार था। सूत्रों के मुताबिक, लॉरेंस ने बताया कि सलमान को मारने के लिए संपत नेहरा को मुंबई भेजा गया था। उसने अभिनेता के घर के आसपास रेकी भी की थी। लेकिन नेहरा के पास केवल एक पिस्टल थी। उसके पास लंबी दूरी तक मार करने वाली राइफल नहीं थी। इसकी वजह से वह सलमान पर हमला नहीं कर पाया था। लॉरेंस ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि इसी के बाद उसने आरके स्प्रिंग राइफल खरीदने का फैसला किया। लॉरेंस के मुताबिक, उसने दिनेश डागर नाम के शख्स को ये राइफल खरीदने का ऑर्डर दिया था। इसके लिए 4 लाख रुपये का पेमेंट भी कर दिया गया था। ये पेमेंट डागर के साथी अनिल पांडे को किया गया था। हालांकि 2018 में यह राइफल डागर के कब्जे से पुलिस ने बरामद कर ली थी।

जम्मू कश्मीर के कठुआ में अज्ञात लोगों ने क्षतिग्रस्त की मंदिर में स्थापित प्रतिमा

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में स्थित एक मंदिर में लगी प्रतिमा को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त करने को लेकर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को महानपुर के धामलार-मोरहा गांव में हुई कथित घटना के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्य सड़क को जाम कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'प्राथमिकी दर्ज की गई है और घटना की जांच करने और दोषियों को पकड़ने का जिम्मा एक पुलिस दल को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने मंदिर में प्रवेश किया और प्रतिमा को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाया। कथित घटना की खबर फैलते ही जिला विकास परिषद सदस्य गोल्डी कुमार के नेतृत्व में ग्रामीणों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को वहां से हटने के लिए समझाया। उन्होंने दोषियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए व्यापक जांच का आश्वासन भी दिया।

चीन की विस्तारवादी नीति पर होगा कड़ा प्रहार

आई2यू2 सम्मेलन में भाग लेंगे भारत, अमेरिका, सऊदी अरब और इजराइल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अपनी आर्थिक और सैन्य ताकत के बल पर दुनिया के देश में घुसपैठ की कोशिश में जुटे विस्तारवादी चीन की मुश्किलें लगातार बढ़ रही है। क्वाड के गठन के बाद अब भारत और अमेरिका मिलकर वेस्ट एशिया क्वाड को सशक्त करने जा रहे हैं। जिससे लिए हिंद प्रशांत क्षेत्र के चार महारथी (अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया) के क्वाड संगठन के बाद भारत और अमेरिका अब पश्चिमी एशिया में एक नए तरह के क्वाड को परवान चढ़ा रहे हैं। भारत, इज़राइल, यूएई और यूएस ग्रुपिंग या आई2यू2 - जिसे %वेस्ट एशियन क्वाड% भी कहा जाता है, इस सप्ताह मिलने जा रहे हैं। 4 देशों का शिखर सम्मेलन 14 जुलाई को जो बाइडेन की मध्य पूर्व की यात्रा के दौरान होगा।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, इजरायल के प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट और यूएई के प्रेसिडेंट मोहम्मद बिन जायेद शामिल हो रहे हैं। बैठक में चारों देशों के बीच आर्थिक सहयोग के मुद्दे पर खास तौर पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने इसकी जानकारी दी। सुलिवन ने कहा कि बाइडेन ÷खाद्य सुरक्षा पर जोर देने के साथ इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और भारत के नेताओं के साथ चार तरफा वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित करने वाले है। शिखर सम्मेलन पश्चिम एशिया के चार दिवसीय दौरे के हिस्से के रूप में बिडेन की इज़राइल यात्रा के दौरान आयोजित किया जा रहा है। आई2यू2 शिखर सम्मेलन के अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति जेद्दा में खाड़ी सहयोग परिषद के एक व्यक्तिगत शिखर सम्मेलन में भी भाग लेने वाले हैं। जो बहरीन, कुवैत, ओमान, सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं को एक साथ लाएगा। आई2यू2 शिखर सम्मेलन से समूह के एजेंडे को अधिक आकार देने की उम्मीद है जो आर्थिक सहयोग और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर केंद्रित है।

भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर की निगरानी कर रहा है साइलेंट संतरी

नई दिल्ली। भारतीय सेना दुश्मनों की हरकतों पर नजर रखने के लिए टेक्नॉलोजी का इस्तेमाल कर रही है। इसको लेकर सेना लगातार तकनीक का इस्तेमाल भी कर रही है। दरअसल तकनीक का इस्तेमाल करने के पीछे सेना का मकसद है कि भारतीय जवानों की जान को कम खतरा रहे। इस दिशा में सेना लगातार कदम बढ़ा रही है और इसी के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सीमा (पाकिस्तान पर साइलेंट संतरियों को तैनात किया है जो चुपचाप बॉर्डर की निगरानी करेंगे। इतना ही नहीं इनकी नजर से दुश्मन का बचना आसान नहीं होगा। भारतीय सेना का डिजाइन ब्यूरो खुद कई नई तकनीक पर काम कर रहा है। डिजाइन ब्यूरो ने एक रोबोट तैयार किया है जो बॉर्डर पर पेट्रोलिंग कर सकता है। इसे 'साइलेंट संतरी' का नाम दिया गया है जो दिन रात किसी भी मौसम में निगरानी रखता है। सूत्रों के मुताबिक, इसे फिलहाल जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात किया गया है। आर्मी डिजाइन ब्यूरो ने इसका डिजाइन देसी उद्योग के साथ भी शेयर किया है ताकि बड़ी संख्या में इसका प्रॉडक्शन किया जा सके। इस रोबोट की लगातार 6 घंटे पेट्रोलिंग करने की क्षमता है और इतना ही नहीं बैटरी डाउन होने पर ये खुद ही चार्जिंग प्वाइंट तक पहुंच जाता है और खुद को चार्ज करके फिर से पेट्रोलिंग करने लगता है। एक रोबोट अगर चार्जिंग पर गया तो दूसरा रोबोट उसकी एरिया की निगरानी कर लेता है।

श्रीलंका-अफगानिस्तान की तरह भाजपा पर कार्रवाई करेंगे लोग

महंगाई को लेकर अभिषेक ने साधा निशाना

कोलकाता। (एजेंसी)।

तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को ईंधन की कीमतों और महंगाई को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में लोग खाना नहीं खा पाएंगे, यह श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसा होगा। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से लोग तंज आ चुके हैं। कीमतें आसमान छू रही हैं। मध्यम वर्ग बुरी तरह से संकट में है। उन्होंने कहा कि आठ साल पहले भी स्थिति ऐसी नहीं थी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल की कीमतों में इजाफा किया गया है। जिसकी वजह से लोग पेट्रोल नहीं भरा पा रहे हैं। पूरे देश में लोग एक ही स्थिति में है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो लोग खाना नहीं खा पाएंगे। श्रीलंका-अफगानिस्तान जैसे हालात होंगे, लोग श्रीलंका-अफगानिस्तान की तरह भाजपा के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।आपको बता दें कि श्रीलंका में अभी तक का सबसे गहरा आर्थिक संकट छाया हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन में कब्जा जमाया हुआ है। गोटबाया राजपक्षे ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया है। वहां पर खाद्य सामान से लेकर ईंधन, दवाईयां समेत तमाम चीजों की कमी है। ऐसे में जल्द ही सर्वदलीय सरकार का गठन होने की संभावना जताई जा रही है। आवास योजना का नाम बदलने से जुड़े सवाल पर अभिषेक बनर्जी ने बताया कि यह बंगाल का घर है, इसलिए मुख्यमंत्री ने इसका नाम बांग्ला आवास योजना रखा है। इसी के साथ ही उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र ने पैसा रोक दिया। यह बात भाजपा नेता अलग-अलग जगहों पर कह रहे हैं। ऐसे नहीं चल सकता है। केंद्र भुगतान करे या न करे, मुख्यमंत्री जनता के साथ खड़ी रहेंगी। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों को बंगाली पैसे से वंचित किया जा रहा है। भाजपा इनकम टैक्स और जीएसटी के नाम पर मोटी रकम ले रही है।

भारी बारिश ने महाराष्ट्र-गुजरात में मचाया कोहराम, 140 से अधिक लोगों की जान गई

-कर्नाटक-मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इन दिनों देश के कई राज्यों में इंद्रदेव का कोप जारी है यहां मूसलाधार बारिश आफत बनकर बरस रही हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और असम के अलावा कई राज्यों में भारी बारिश का तांडव देखने को मिल रहा है। भारी बारिश की वजह से कई जिलों में बाढ़ की स्थिति है। इसके अलावा पहाड़ी इलाकों में हो रहे लगातार भूस्खलन ने लोगों की जान को आफत में डाल दिया है। बारिश के चलते कई नदियां उफान पर हैं। वहीं, मौसम विभाग ने कई राज्यों में अलर्ट जारी किया है। बारिश से सबसे ज्यादा बुरा हाल महाराष्ट्र और गुजरात का है। दोनों राज्यों में अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश से स्थिति काफी बिगड़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र में 1 जून से अब तक 83 लोगों की मौत हो चुकी है। गढ़चिरौली जिले में 129 स्थानों से 353 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, नासिक जिले में नदियों का जल स्तर बढ़ गया है। यहां तीन लोग लापता बताए गए हैं। विभिन्न स्थानों पर एसडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है। कई जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

बारिश और बाढ़ का गुजरात में भी खासा असर दिख रहा है। भारी बारिश के कारण सोमवार को अहमदाबाद में जलजमाव और बाढ़ जैसे हालात हो गए। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक पूरे राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ के कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है। राज्य में अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में 63 लोगों की जान जा चुकी है।

उद्धव पड़े नरम, द्रौपदी मुर्मू के समर्थन पर राजी, अब भाजपा से गठबंधन का दबाव बना रहे सांसद

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में सत्ता गंवाने के बाद उद्धव ठाकरे को अपनी ही पार्टी में विरोध झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कल पार्टी के सांसदों की बैठक अपने आवास 'मातोश्री' पर बुलाई थी। इस बैठक में कुल 22 सांसदों में से 15 ही पहुंचे और उनमें से भी ज्यादातर ने दबाव बनाया था कि वह शिवसेना की ओर से एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के समर्थन का ऐलान करें। तब संजय राउत ने यशवंत सिन्हा की वकालत की थी, लेकिन अकेले पड़ गए। इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा था कि वह विचार करेंगे और आज सुबह खुद संजय राउत ने ही मुर्मू के समर्थन का ऐलान कर दिया। यही नहीं सांसदों का यह भी दबाव है कि वह भाजपा के साथ गठबंधन सरकार पर राजी हो जाएं। कहा जा रहा है कि इससे एक तरफ पार्टी टूटने से बच जाएगी और दूसरी तरफ सरकार में भी शिवसैनिकों को हिस्सेदारी मिल सकेगी। सोमवार को उद्धव ठाकरे की बुलाई मीटिंग में शामिल रहे सांसद हेमंत गोडसे ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मीटिंग के दौरान सांसदों ने पार्टी प्रमुख को यह सुझाव दिया था। उन्होंने कहा, 'केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम करें तो विकास कार्यों को गति मिलेगी। इसलिए, हम, सांसदों ने पार्टी प्रमुख से एक स्वाभाविक गठबंधन बनाने की मांग की।' उन्होंने कहा, 'हमने उद्धव ठाकरे से कहा कि महा विकास अघाड़ी और भाजपा के साथ गठबंधन में बड़ा अंतर है। हमने उद्धव ठाकरे से कहा कि भाजपा हमारी स्वाभाविक सहयोगी है। हमने पार्टी नेताओं को यह भी याद दिलाया कि केंद्र और राज्य एक साथ नहीं होने के कारण परियोजनाएं रुकी हुई थीं।'

राष्ट्रपति चुनावः क्या अंतरआत्मा की आवाज सुनेगी भाजपा?

भूपेश बघेल बोले- उन्हें अपने पुराने साथी का करना चाहिए समर्थन

रायपुर। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एनडीए उम्मीदवार और संयुक्त विपक्ष उम्मीदवार अपने-अपने लिए समर्थन जुटाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। एनडीए की तरफ से द्रौपदी मुर्मू को जबकि यशवंत सिन्हा को विपक्ष ने अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में दोनों नेता लगातार राज्यों का दौरा कर वहां की सरकारों और विपक्षी पार्टियों से राष्ट्रपति चुनाव के लिए समर्थन मांग रहे हैं। इसी बीच छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नसीहत दी। समाचार एजेंसी मुताबिक, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा अगर अपने अंतरआत्मा की आवाज़ की सुने तो उन्हें अपने अंदर की आवाज़ को सुनकर अपने पुराने साथी (यशवंत सिन्हा) का समर्थन करना चाहिए। इसी बीच महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी गठबंधन में शामिल शिवसेना ने बड़ा झटका दे दिया है। दरअसल, शिवसेना ने ऐलान किया है कि राष्ट्रपति चुनाव में वो द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगी। आपको बता दें कि शिवसेना आंतरिक कलह से जूझ रही है और इसी वजह से महाविकास अघाड़ी सरकार भी गिर गई। जिसके बाद एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर नई सरकार का गठन किया और अब शिवसेना ने तमाम जनप्रतिनिधियों को अपने पाले में करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं।

देश ने देखा खामोश राष्ट्रपति !

विपक्षी उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने सोमवार को कहा था कि पिछले पांच साल में देश ने एक खामोश राष्ट्रपति देखा। यशवंत सिन्हा ने कहा था कि वह नहीं जानते कि इन चुनावों के बाद उनका क्या हश्र होगा, लेकिन अगर वह राष्ट्रपति चुने गए, तो ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) जैसी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग रुक जाएगा।

योगी आदित्यनाथ के जनसंख्या वृद्धि वाले बयान पर ओवैसी का पलटवार,

पूछा- क्या भारत के मूल निवासी नहीं हैं मुसलमान ?

जम्मू। (एजेंसी)।

हैदराबाद। विश्व जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिए बयान को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी घमासान शुरू हो गया है। योगी आदित्यनाथ के बयान पर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार किया है। असदुद्दीन ओवैसी ने पूछा कि क्या मुसलमान भारत के मूल निवासी नहीं हैं ? यदि हम वास्तविकता देखें तो मूल निवासी केवल आदिवासी और द्रविड़ लोग हैं। समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि क्या मुसलमान भारत के मूल निवासी नहीं हैं ? यदि हम वास्तविकता देखें तो मूल निवासी केवल आदिवासी और द्रविड़ लोग हैं। उत्तर प्रदेश में बिना किसी कानून के 2026 से 2030 तक वांछित प्रजनन दर हासिल की जाएगी।

देश का जनसांख्यिकीय लाभांश सभी देशों से अच्छा

हैदराबाद सांसद ने आगे कहा कि उनके अपने स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए देश में किसी कानून की जरूरत नहीं है। ज्यादातर गर्भनिरोधक का इस्तेमाल मुसलमान ही कर रहे हैं। 2016 में कुल प्रजनन दर 2.6 थी जो अब 2.3 है। देश का जनसांख्यिकीय लाभांश सभी देशों से सर्वश्रेष्ठ है।

क्या बोले थे योगी आदित्यनाथ?

विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा की शुरुआत करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि जब हम परिवार नियोजन/जनसंख्या स्थिरीकरण की बात करते हैं तो हमें ध्यान में रखना होगा कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े, लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा होने पाए। उन्होंने कहा था कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि जनसंख्या वृद्धि की गति या किसी समुदाय का प्रतिशत अधिक हो और हम मूल निवासियों की आबादी को स्थिर करने के लिए जागरूकता या प्रवर्तन के माध्यम से कार्य कर रहे हों।

एग्जाम में बच्चे के नहीं आए हैं अच्छे मार्क्स तो पेरेंट्स ऐसे करें गाइड

बोर्ड परीक्षा का नाम सुनते ही बच्चों के साथ-साथ उनके पेरेंट्स को भी टेंशन होने लगती हैं। बोर्ड परीक्षा के मार्क्स के आधार पर ही तय होता है कि बच्चा आगे किस विषय की पढ़ाई कर सकता है। स्वाभाविक रूप से, इससे बच्चों और पेरेंट्स पर अतिरिक्त तनाव पैदा होता है। वैसे तो हर छात्र बोर्ड्स में अच्छे मार्क्स लाने की पूरी कोशिश करता हैं। लेकिन जीवन हमेशा हमारी योजना के अनुसार नहीं चलता। कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा। बतौर पेरेंट्स, इस समय आपका पहला कर्तव्य बच्चे के साथ रहना है, भले ही उसके परिणाम से आपको निराशा ही क्यों न हुई हो। आइए जानते हैं कि कम मार्क्स आने पर आप कैसे अपने बच्चे को गाइड कर सकते हैं -

कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा।

- सबसे पहले खुद को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा जीवन का अंत नहीं है। यदि आप अपने बच्चे के सामने अपनी निराशा व्यक्त करते रहेंगे तो वह और भी अधिक दोषी महसूस करेगा।
- इस समय रिश्तेदार-पड़ोसी या दोस्तों के फोन आना स्वाभाविक है। लेकिन जितना हो सके इनसे बचें। क्योंकि इससे आपका बच्चा परेशान हो सकता है। इसके अलावा, फोन पर सामान्य रूप से बात करें। फोन पर 'नहीं, यह इतना अच्छा नहीं कर पाया।' जैसी टिप्पणी न करें। इससे आपके बच्चे की भावनाएं आहत होंगी।
- बच्चे के सामने बार-बार चर्चा न करें कि किसका कितना अच्छा परिणाम आया और किसने कितने अंक प्राप्त किए। अपने बच्चे को यह पूछकर शर्मिंदा न करें कि उसके दोस्तों का रिजल्ट कैसा रहा।
- घर का माहौल सामान्य रखें। एक परीक्षा में खराब परिणाम का मतलब यह नहीं है कि पूरा परिवार एक साथ शोक मनाता रहे।
- सबकी योग्यताएं या प्रतिभाएं समान नहीं होती हैं। अगर आपका बच्चा पढ़ाई में सामान्य है तो उससे टॉप करने या किसी चमत्कार की उम्मीद न करें।
- अपने बच्चे को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा के मार्क्स ही उसकी एकमात्र पहचान नहीं है। वह किस तरह का व्यक्ति है, यही असली बात है। परीक्षा में आए अंकों से उसके प्रति आपका रवैया नहीं बदलेगा।
- इस समय बच्चे को ज्यादा अकेला न रहने दें। अपने बच्चे के साथ बैठें और उसके साथ बातचीत और मौज-मस्ती करें। फिर उससे धीरे-धीरे उसकी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करें।
- कई ऐसे लोग हैं जिन्हें परीक्षा में अच्छे परिणाम नहीं मिलते हैं। लेकिन उसके बाद भी उन्हें अपने मनपसंद विषय में पढ़ने का मौका मिला और उन्होंने जीवन में अच्छे परिणाम भी हासिल किए। अपने बच्चे को ऐसे लोगों का उदाहरण दें।
- बच्चे को समझाएं कि स्कूल की परीक्षा ही जीवन का अंत नहीं है। उसके बाद जीवन में और भी कई परीक्षाएं होंगी। ऐसे कई लोग हैं जो परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन ना कर पाने के बाद भी जीवन में सफल हुए हैं।
- यदि आपका बच्चा बुरे परिणामों को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकता है तो आपको उसे परामर्श के लिए मनोवैज्ञानिक के पास ले जाना चाहिए। पेशेवर मदद लेने में कोई शर्म नहीं है।

बायोकेमिस्ट्री में बनाएं अपना कॅरियर

बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है।

आवश्यक कौशल, स्कोप और वेतन

जैव रसायन क्या है ?

जैव रसायन मूल रूप से कोशिकीय और आणविक स्तर पर जैविक प्रक्रियाओं के अध्ययन के लिए रसायन विज्ञान के सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। जैव रसायन जीवित जीवों के रसायन विज्ञान और जीवित कोशिकाओं में होने वाले परिवर्तनों के आणविक आधार को देखता है और इस प्रकार यह जीवन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान दोनों है। जैव रसायन हमारे शरीर को बनाने वाले घटकों को तोड़ने, चलाने, बनाने और मरम्मत करने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं को सीखने के बारे में है। जैव रसायन बुनियादी विज्ञानों में सबसे व्यापक होने के कारण इसमें कई उप-विशिष्टताएं शामिल हैं जैसे कि जैव-रासायनिक विज्ञान, भौतिक जैव रसायन, तंत्रिका रसायन, क्लीनिकल जैव रसायन, आणविक आनुवंशिकी, जैव रासायनिक औषध विज्ञान और प्रतिरक्षा रसायन। बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है। एक बायोकेमिस्ट यह निर्धारित करना चाहता है कि ऐसी प्रक्रियाओं में प्रोटीन, न्यूक्लिक एसिड, लिपिड, विटामिन और हार्मोन जैसे विशिष्ट अणु कैसे कार्य करते हैं।

जैव रसायनज्ञों के लिए आवश्यक योग्यता

- एक प्रतिष्ठित संस्थान से बायोकैमिस्ट्री में स्नातक- बीएससी बायोकैमिस्ट्री।
- स्नातकोत्तर- यदि आप इस क्षेत्र में अपना करियर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो स्नातक होने के बाद एमएससी बायोकैमिस्ट्री जरूरी है।
- कुछ संस्थान बायोकेमिस्ट्री इंटीग्रेटेड कोर्स ऑफर करते हैं जो एक अच्छा विकल्प भी हो सकता है।
- एमएससी बायोकैमिस्ट्री स्नातकोत्तर, जो अनुसंधान में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें नेट / गेट परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए, क्योंकि अधिकांश सरकारी और निजी संस्थान इसे नौकरी चयन के लिए एक आवश्यक मानदंड के रूप में रखते हैं।
- जैव रसायन अनुसंधान क्षेत्र में एक समृद्ध कॅरियर के लिए पीएचडी डिग्री होना जरूरी है।
- कुछ विश्वविद्यालय चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जिसमें पहले से ही एक अनुसंधान प्लेसमेंट वर्ष शामिल होता है, जो आमतौर पर फार्मास्युटिकल या बायोटेक्निकल उद्योग या एक शोध संस्थान में किया जाता है।

बायोकैमिस्ट्री डिग्री से संबंधित नौकरियों में शामिल हैं :

- रिसर्च फैलो
- एनालिटिकल केमिस्ट
- जैव चिकित्सा वैज्ञानिक
- फार्मा एसोसिएट
- क्यूए / एसी एसोसिएट
- हेल्थकेयर वैज्ञानिक
- क्लीनिकल जैव रसायन
- खाद्य सुरक्षा विश्लेषक
- नैदानिक अनुसंधान सहयोगी
- फोरेंसिक वैज्ञानिक
- अनुसंधान वैज्ञानिक
- विष विज्ञानी
- व्याख्याता / प्रोफेसर

बायोकैमिस्ट्री में कॅरियर के अवसर लगभग असीमित हो सकते हैं :

सरकारी एजेंसियां, निजी शोध संस्थान, अस्पताल, सामाजिक और गैर-लाभकारी संगठन सभी को एक अच्छे बायोकेमिस्ट की तलाश रहती है। उनका एक सामान्य लक्ष्य है अनुसंधान करना, प्रयोग करना, परीक्षण करना और एड्स और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज का पता लगाना और यहां तक कि मानसिक विकारों के लिए भी।

आवश्यक स्किल्स

- आवश्यक डिग्री का स्तर स्थिति के आधार पर भिन्न होता है। कई सेटिंग्स के लिए बायोकैमिस्ट्री में स्नातक की डिग्री पर्याप्त है, जबकि उन्नत शोध कार्य के लिए डॉक्टरेट की डिग्री अनिवार्य होती है।
- बायोकैमिस्ट्री या संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री प्रोग्राम में छात्र आमतौर पर गणित, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रमों के अलावा, जैविक और रासायनिक विज्ञान में पाठ्यक्रम लेते हैं।
- बायोकेमिस्ट के लिए गणित और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्हें जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम होना चाहिए।
- स्नातक होने के बाद कुछ कार्य अनुभव प्राप्त करके अवसरों में सुधार किया जा सकता है जैसे कि किसी कंपनी या शोध प्रयोगशाला में इंटर्नशिप।
- इच्छुक जैव रसायनज्ञों के लिए प्रयोगशाला अनुभव आवश्यक है ; उन्नत शोध पदों के लिए पोस्टडॉक्टरल शोध कार्य की आवश्यकता हो सकती है।
- चिकित्सा, वैज्ञानिक, क्वेरी और स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर का ज्ञान मौलिक है।
- विभिन्न प्रकार के उपकरण जैसे गैस क्रोमैटोग्राफ और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप का उपयोग सूक्ष्म जीवविज्ञानी द्वारा उचित रूप से किया जाना चाहिए।
- बायोकैमिस्ट्री व्यावसायिक रूप से एक मूल्यवान डिग्री है और यह महत्वपूर्ण उद्योगों की एक श्रृंखला में अच्छी तरह से भुगतान करने वाली नौकरियों के लिए काफी उपयोगी होती है। जैव रसायन के भीतर कार्य क्षेत्र विशाल है।

बायोकेमिस्ट्री फ्रेशर्स के लिए औसत वेतन इस प्रकार हैं:

- अनुसंधान संस्थानों में एंट्री लेवल का वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 15,000 - 20,000 / - प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में प्रवेश स्तर का वेतन (नेट / गेट के साथ) रुपये 20,000 - 30,000 / - प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में प्रवेश स्तर का वेतन रु.18,000/- से रु. 25,000/- प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 25,00/ - से 40,000/ - रुपये प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के साथ) : रुपये 30,000/- से रुपये 60,000 /- प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में अनुभवी के लिए औसत वेतन 30,000/- से 80,000/- रुपये प्रति माह
- अनुभव के साथ आपका वेतन सामान्य रूप से बढ़ता ही जाता है। पीएचडी की डिग्री और एक अच्छे कौशल के साथ आप बायोकैमिस्ट्री में एक सफल करियर बना सकते हैं।

जर्मनी में करें पढ़ाई और स्कॉलरशिप भी पाएं

जर्मनी टेक्नोलॉजी में काफी आगे है और यहां का एजुकेशन सिस्टम भी कई देशों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है। ऐसे में तमाम भारतीय छात्र जर्मनी की ओर पढ़ाई का रूख करते ही हैं। वास्तव में उन्हें काफी सहूलियत भी मिलती है। चूंकि एजुकेशन डेस्टिनेशन के रूप में हाल-फिलहाल जर्मनी काफी पॉपुलर हो रहा है, और वहां क्वालिटी एजुकेशन भी बड़े पैमाने पर मिल रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि वहां भारतीय छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक प्रत्येक वर्ष 7 फीसदी से अधिक भारतीय छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं। आप कह सकते हैं कि जर्मनी में ऐसी क्या चीज है, जिसके कारण छात्र आकर्षित हो रहे हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां उचित शिक्षा की फीस बहुत कम है और न केवल शिक्षा की, बल्कि शिक्षा के बाद काम करने के लिए परमिट भी वहां आसानी से मिल जाता है। खास बात यह है कि अगर आप जर्मनी में शिक्षा लेना चाहते हैं, तो आप बेहतरीन स्कॉलरशिप भी पा सकते हैं। कुछ स्कॉलरशिप प्रोग्राम्स के बारे में.

एचडब्ल्यूके फैलोशिप

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है और यह एक प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप मानी जाती है। अगर आप एक काबिल वैज्ञानिक हैं, तो फेलोशिप प्रोजेक्ट के बेसिस पर जर्मनी में स्टडी के लिए रेग्युलर फैलोशिप और जूनियर फैलोशिप 3 और 10 महीने के लिए प्रदान की जाती है। जाहिर तौर पर यह एक आकर्षक फैलोशिप है, जो ब्राइट स्टूडेंट्स के लिए काफी मददगार साबित होती है। यूं भी विज्ञान के प्रयोगों में काफी धन की आवश्यकता होती है और इसीलिए इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम को काफी हाईलाइट किया जाता है।

मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

इस स्कॉलरशिप का नाम तो आपने सुना ही होगा। अगर आप बेहतरीन मेरिट पाते हैं, तो ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए आप इस स्कॉलरशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं। रू. 24000 प्रत्येक महीने आपको स्कॉलरशिप के तौर पर दिए जाते हैं जो कि एक काफी आकर्षक स्कॉलरशिप मानी जा सकती है। विदेशों में अगर आपको इतनी रकम पढ़ाई के लिए मिलती है, वह भी प्रत्येक महीने तो वह आपकी शिक्षा में निश्चित तौर पर मददगार साबित होगी।

जीएसएलएस फेलोशिप, विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

स्कॉलरशिप पीएचडी की पढ़ाई करने वालों के लिए है चाहे इस्ट्रीम जो भी हो अगर आप मास्टर डिग्री ले चुके हैं इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं तकरीबन 6 महीने तक रू.63000 तक आपको मिल सकते हैं रू. 32000 प्रत्येक महीने चुने हुए हैं स्कॉलर के बच्चों के लिए खर्च दिए जाते हैं तो जाहिर तौर पर आप को लाभ पहुंचा सकता है

जीएसएलएस फैलोशिप

विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, 3 सालों के लिए पीएचडी फेलोज को यह स्कालरशिप देती है। खास बात यह है कि इसमें आपको लाइफ साइंस के किसी भी सब्जेक्ट में डिग्री लेनी होती है। इस फेलोशिप में प्रत्येक वर्ष 4 लाख रिसर्च से सम्बंधित खर्च, यात्रा आदि पर खर्च किए जाते हैं।

साइंस और इंजीनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इंटर्नशिप में करंट में चल रहे रिसर्च और भिन्न परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, प्रोफेसर या साइंटिस्ट के साथ काम करने का मौका इसमें मिलता है। गणित, विज्ञान या फिर इंजीनियरिंग के स्टूडेंट अंतिम वर्ष में या उससे पहले भी इंटरव्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल एलाउंस के लिए आपको प्रत्येक महीने 50 हजार रू. तक मिल जाते हैं, जो कि पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट के लिए सफिशिएंट माने जा सकते हैं।

आइंस्टाइन फैलोशिप जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम टाइमर एंड डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस अथवा नेचुरल साइंसेज के छात्रों को यह फेलोशिप प्रोवाइड करता है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्स्टीन के नाम पर शुरू की गयी इस फेलोशिप का मतलब बेहतर प्रतिभाओं को सामने लाना है।

बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के बेहद जूनियर साइंटिस्ट इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा सकते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। दाखिला लेने के बाद, स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लाइव फील्ड एक्सपेरिमेंट के लिए इसमें फंड प्रोवाइड किया जा सकता है। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि मासिक भत्ते के रूप में तकरीबन 12 लाख रुपया दिया जाता है तो रू. 12000 रिसर्च एंड डेवलपमेंट भत्ता के तौर पर। इसके अलावा भी दूसरे भत्ते इसमें शामिल हैं।

हिटलर जैसी मानसिकता वाले लोग ही इमारतों को आग लगाते हैं: विक्रमसिंघे

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा उनके निजी आवास को आग लगाए जाने के बाद पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को कहा कि केवल ''हिटलर जैसी मानसिकता'' वाले लोग ही इमारतों में आग लगा सकते हैं। विक्रमसिंघे(73) ने टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री का पद इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि अर्थव्यवस्था संकट में थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अर्थव्यवस्था के पुनः निर्माण का कठिन कार्य ऐसे समय में अपने हाथ में लिया, जब लोग ईंधन, खाना पकाने वाली गैस और बिजली के अभाव में मुश्किलों का सामना कर रहे थे। विक्रमसिंघे ने कहा, ''जीवनयापन की लागत अधिक थी, ईंधन नहीं था, विदेशी मुद्रा संकट था। लोगों की नौकरियां जा रही थीं। मैंने लोगों की पीड़ा को देखा।'' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में करीब चार साल लगेंगे और पहला साल सबसे मुश्किल भरा होगा। विक्रमसिंघे ने कहा, ''यह काम एक-दो दिन में नहीं हो सकता। शुरुआती सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कम से कम एक वर्ष की आवश्यकता होगी। आईएमएफ ने कहा है कि इसमें चार साल लगेंगे।'' अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन को लेकर सरकार पर बढ़ रहे दबाव के बीच महिंदा राजपक्षे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद उनके छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे ने विक्रमसिंघे को मई में प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। विक्रमसिंघे ने उनके आवास पर शनिवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई आगजनी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल ''हिटलर जैसी मानसिकता'' जैसे लोग ही इमारतों को आग लगाते हैं। उन्होंने कहा कि उस रात जो हुआ, उसकी ''पृष्ठभूमि में एक घटना'' थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मुस्लिम दल के नेता ने ट्वीट करके यह गलत जानकारी दी थी कि उन्होंने सर्वदलीय सरकार के गठन का विरोध किया है और इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जिसके कारण उनके आवास पर आगजनी की घटना हुई।

शंघाई तट के पास चीन और पाकिस्तान की नौसेनाओं का युद्धाभ्यास

बीजिंग। चीन और पाकिस्तान की नौसेनाएं चार दिवसीय संयुक्त समुद्री अभ्यास के तहत शंघाई तटीय क्षेत्र के पास मंगलवार को शस्त्रों का प्रत्यक्ष अभ्यास (लाइव फायर ड्रिल) करेंगी। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। कूटनाम 'सी गार्डियन्स-2' वाले इस अभ्यास में भाग ले रहे सैन्य बेड़े शंघाई में एक सैन्य बंदरगाह से निर्धारित समुद्री क्षेत्र के लिए रवाना होंगे। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य रक्षा सहयोग को बढ़ाना, विशेषज्ञता तथा अनुभव बढ़ाना, दोनों देशों एवं सेनाओं के बीच परंपरागत मित्रता को गहरा करना तथा चीन-पाकिस्तान की सर्वकालिक रणनीतिक सहयोगात्मक साझेदारी के विकास को बढ़ावा देना है। इसके तहत सोमवार को पेशेवर और तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान, रस्साकशी और बास्केटबॉल मैचहुए। दोनों देशों ने रविवार को 'सी गार्डियन्स-2' को शुरू किया और समुद्री सुरक्षा खतरों से मिलकर निपटने के लिए अपने नये उच्च तकनीक युक्त नौसैनिक पोतों और लड़ाकू विमानों को तैनात किया। दोनों देशों की नौसेनाओं ने भारत के नजदीक हिंद महासागर में सहयोग तेज किया है। सरकारी ग्लोबल टाइम्स की रविवार की खबर के अनुसार चीन की पीएलए ईस्टर्न थियेटर कमांड नौसेना ने युद्धपोत शियांगटन, शुओझोऊ, समग्र आपूर्ति पोत क्रियानदाओहू, एक पनडुब्बी, एक शीघ्र चेतावनी विमान, दो लड़ाकू विमान तथा अभ्यास के लिए एक हेलीकॉप्टर को भेजा, वहीं पाकिस्तानी नौसेना का युद्धपोत तैमूर अभ्यास में शामिल हुआ।

चीन के गैंबलिंग हब मकाऊ में कोरोना की वजह से लगाया गया आंशिक लाकडाउन, बंद किए गए कैसिनो

बीजिंग । एशिया का लॉस वेगस' कहे जाने वाले चीन के मकाऊ शहर ने पिछले दो सालों में पहली बार अपने यहां के सभी कैसिनो बंद कर दिए हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण यह फैसला लिया गया है। मकाऊ दुनिया के सबसे बड़े गैंबलिंग हब के रूप में जाना जाता है। इस फैसले से गेमिंग कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट आई है। दरअसल, मकाउ में एक बार फिर से कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ने लगा है, जिसके चलते प्रशासन को यह कठोर कदम उठाना पड़ा है। मकाऊ के 30 से अधिक कैसीनो और दूसरे सभी व्यवसाय अगले एक सप्ताह के लिए बंद रहेंगे। इस दौरान शहर के लोग अपने घरों के अंदर कैद रहेंगे। उन्हें सिर्फ जरूरी सेवाओं के लिए छोटी यात्राएं करने की इजाजत होगी। अमेरिकी कैसिनो एंड रिजॉर्ट कंपनी लॉस वेगस सैंड्स की मकाऊ मुख्यालय वाली सब्सिडियरी कंपनी सैंड्स चाइना के शेयरों में 9 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं, मेल्को इंटरनेशनल, वाइन मकाऊ, एसजेएम, ग्लैक्सी एमजीएम चाइना जैसी कंपनियों के शेयर 6 से 7 फीसदी तक टूट हैं। मध्य जून के बाद से मकाऊ में 1,500 से अधिक कोरोना के केस मिल चुके हैं। करीब 19,000 लोग अनिवार्य रूप से क्वारंटीन में है। चीन की सरकार ने कोरोना के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस नीति' अपनाई हुई है, जिसका इरादा महामारी के प्रकोप को सख्ती से दबाना है। हालांकि, मकाऊ के कई कैसिनो पिछले तीनों हफ्तों से एक तरह बंद हैं, क्योंकि उन्हें सिर्फ बेहद कम स्टाफ और गेस्ट की इजाजत के साथ खुले रहने की इजाजत दी गई। हालांकि, प्रशासन के नए कदम के बाद अब निवेशकों का भरोसा डगमगा गया और इन कंपनियों से पैसे निकालने लगे हैं। कुछ एनालिस्ट्स का यह भी अनुमान है कि इन गेमिंग कंपनियों के शेयरों में वापस रिकवरी तीसरी तिमाही के अंत या चौथी तिमाही से पहले होने की उम्मीद नहीं है। विशेषज्ञोंका मानना है कि जुलाई और अगस्त में हमें इन शेयरों को तेजी भूल जाना होगा। मकाऊ के 30 से अधिक जोन को उच्च जोखिम वाले कैटगरी में डाला गया है, जहां कड़ा लॉकडाउन लागू है। सरकार ने कहा कि वह पूरे शहर में लॉकडाउन नहीं लगा रहा ही, लेकिन उसके कड़े उपायों से मकाऊ लगभग एक तरह से बंद है। इससे पहले मकाऊ में कैसिनो फरवरी 2020 में 15 दिनों के लिए बंद हुए थे। सरकार ने नौकरियों को बचाने का वादा किया है, जिसके चलते वह अभी तक कैसिनो को बंद करने से हिचकिचाती रही थी। कैसिनो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से काफी बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने बच्चों की सुरक्षा के लिए भारत में कानूनी एवं प्रशासनिक ढांचा बनाने का स्वागत किया

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बच्चों की सुरक्षा के लिए भारत में कानूनी एवं प्रशासनिक ढांचा बनाए जाने और कई राज्यों में बाल सुरक्षा सेवाओं की पहुंच में सुधार का स्वागत किया है। हालांकि, कुछ जिलों में हथियारबंद समूहों द्वारा बच्चों की भर्ती किए जाने के खतरे को लेकर उन्होंने चिंता भी जाहिर की है। बच्चों एवं सशस्त्र संघर्ष' (सीएएसी) पर महासचिव की रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने भारत में 'बच्चों एवं सशस्त्र संघर्ष' पर विश्व निकाय के विशेष दूत वर्जीनिया गांबा के साथ जारी वार्ता का स्वागत किया है। उन्होंने नवंबर 2021 में हुई अंतरमंत्रालयी बैठक का जिक्र किया, जिसमें बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने जाने की प्राथमिकता वाली पहलों तथा मुद्दों पर बातचीत हुई थी। गुतारेस ने कहा, मैं बच्चों की सुरक्षा के लिए सहयोग बढ़ाने के क्षेत्रों की पहचान करने के वास्ते संयुक्त राष्ट्र के साथ 2022 में अंतरमंत्रालयी प्रौद्योगिकी स्तर की बैठक संबंधी संयुक्त प्रौद्योगिकी मिशन के समझौते का स्वागत करता हूं।'' उन्होंने कहा, इस उन्नत समझौते से भारत, बच्चों एवं सशस्त्र संघर्ष पर मेरी अगली रिपोर्ट में चिंता की स्थिति से बाहर आ सकता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने कहा कि सीएएसी की रिपोर्ट में भारत के जिक्र के संबंध में कुछ वर्षों में ''हमने अपने बयानों में चिंता व्यक्त की है।

सियासी उथल-पुथल और पेट्रोल-डीजल संकट के बीच श्रीलंका में बढ़ गई साइकिलों की डिमांड

कोलंबो । श्रीलंका में चल रहे सियासी संकट के बीच सरकार विरोधी जनाक्रोश जारी हैं। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री आवासों पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा है। देश में मची उथल-पुथल के बीच देश में पेट्रोल डीजल की भी भारी कमी हो गई है। यहां तक कि गाड़ियों में तेल डलवाने के लिए भी वहां लोगों को कई दिनों का इंतजार करना पड़ रहा है। इसी बीच एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने है जिसमें देशभर में साइकिल की मांग में जबरदस्त उछाल आया है। लोग वहां बहुत तेजी से साइकिल खरीद रहे हैं। दरअसल, इस समय श्रीलंका में ईंधन की कमी के कारण अधिकतर लोग चार पहिया वाहनों को छोड़कर साइकिल की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हम पेट्रोल की कतार में लगने वाले समय को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं क्योंकि तब भी पेट्रोल या डीजल नहीं मिल रहा है। इसलिए लोगों ने साइकिल और सार्वजनिक परिवहन का रुख कर लिया है। वहीं एक तथ्य यह भी है कि कई दिनों से श्रीलंका में कोई तेल शिपमेंट नहीं आया है। यहां तक कि वहां की सरकार ने अभी तक ये भी नहीं बताया है कि अगला शिपमेंट कब आएगा।

स्पेन में सेन फर्मिन समारोह में बुल रेस में भाग लेते हुए लोग।

भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जताई निराशा

लंदन । पिछले पांच सालों से अधिक समय से ब्रिटेन में रह रहे भगोड़ा भारतीय कारोबारी विजय माल्या ने अदालत की अवमानना के मामले में चार महीने की सजा देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले पर सोमवार को निराशा जताई। उच्चतम न्यायालय ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को अदालत की अवमानना के मामले में सोमवार को चार महीने की सजा सुनाई। इसके साथ ही न्यायालय ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह कारावास की सजा काटने के लिए भगोड़े कारोबारी की उपस्थिति सुनिश्चित करे, जो 2016 से ब्रिटेन में हैं। 66 वर्षीय माल्या ने कहा मेरे पास उच्चतम न्यायालय के फैसले पर यह कहने के अलावा और कुछ नहीं है कि मैं जाहिर तौर पर निराश हूं। न्यायमूर्ति यूयू ललित की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने माल्या पर 2000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। माल्या को अवमानना के लिए नौ मई, 2017 को दोषी ठहराया गया था। शीर्ष अदालत ने 2017 के फैसले पर पुनर्विचार के लिए माल्या की ओर से दायर पुनर्विचार याचिका 2020 में खारिज कर दी थी। न्यायालय ने अदालती आदेशों को धता बताकर अपने बच्चों के खातों में चार करोड़ डॉलर भेजने को लेकर माल्या को अवमानना का दोषी ठहराया था। अदालत की अवमानना संबंधी कानून, 1971 के अनुसार, अदालत की अवमानना पर छह महीने तक की साधारण कैद या 2,000 रुपये तक का जुर्माने या दोनों सजा हो सकती है। माल्या पर 9,000 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक ऋण धोखाधड़ी का आरोप है।

यूक्रेन जंग पर भारत ने कहा निर्दोष लोगों को मारकर किसी समाधान पर पहुंचना संभव नहीं

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन के बीच पांच महीने से जंग जारी है। इस जंग में यूक्रेन धीरे-धीरे तबाह हो रहा है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की ब्रीफिंग में भारत ने यूक्रेन संकट पर चिंता जताई। बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थायी मिशन के काउंसलर प्रतीक माथुर ने दो टूक जवाब देते हुए कहा निर्दोष लोगों की जान की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थायी मिशन के काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा हम अपनी इस बात को फिर से दोहराना चाहते हैं कि हमारी वैश्विक व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और क्षेत्रीय अखंडता और राज्यों की संप्रभुता के सम्मान पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन के लोगों के दर्द को कम करने के सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं। विशेष रूप से यूक्रेन और रूसी संघ के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं। प्रतीक माथुर ने कहा भारत यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंतित है। संघर्ष के परिणामस्वरूप अपने लोगों, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के जीवन को अनगिनत दुखों का सामना करना पड़ा है।

लाखों लोग बेघर हो गए हैं और पड़ोसी देशों में शरण लेने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा संघर्ष की शुरुआत से भारत लगातार सभी तरह की शत्रुताओं को पूरी तरह से खत्म करने का आह्वान करता रहा है और शांति, संवाद व कूटनीति के हिस्से की वकालत करता रहा है। बता दें कि दोनों देशों के बीच जंग में अब तक लगभग 15 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 4000 से अधिक आम नागरिकों की मौत हुई है। जबकि 10 हजार से अधिक सैनिकों ने भी जान गंवाई है। रूस से जंग के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की ने ऐलान किया है कि वे जल्द ही कैबिनेट फेरबदल करेंगे। उन्होंने कहा कि विदेश नीति को मजबूत करने और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए यह फैसला किया गया है।

ईरान ने रूस को 100 ड्रोन देने का फैसला लिया, अमेरिका ने दी चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूस के हमलों से बेजार है और 5 महीने से भीषण जंग झेल रहा है। इसी बीच ईरान ने रूस को ड्रोन देने का फैसला लिया है। यूक्रेन के खिलाफ जंग में रूस इन ड्रोनों का इस्तेमाल करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा है कि ईरान यूक्रेन में युद्ध के लिए संभावित रूप से सैकड़ों ड्रोन रूस को देने की योजना बना रहा है। इसमें से कुछ ड्रोन लड़ाकू क्षमताओं के साथ हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि मिली जानकारी से पता चलता है कि ईरान रूसी बलों को ड्रोन का इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित करने की तैयारी कर रहा है। बता दें कि ड्रोन यूक्रेन और रूस दोनों के बीच चल रहे युद्ध का अभिन्न अंग रहे हैं।

पिछले हफ्ते ही यूक्रेन ने अपने युद्ध प्रयासों में सहायता के लिए अमेरिका से हजारों ड्रोन दान करने की अपील की थी। सुलिवन ने कहा कि अमेरिका को मिली खुफिया जानकारी इस विचार का समर्थन करती है कि पूर्वी यूक्रेन पर रूस का हमला अपने हथियारों के रखरखाव की कीमत पर आ रहा है। उन्होंने यह भी देखा कि ईरानी ड्रोन का इस्तेमाल पहले यमन के हैती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब पर हमला करने के लिए किया गया था।

एक महीने पहले ईरान की सेना ने अपनी ताकत दिखाने के लिए मिसाइलों से लैस ड्रोन्स की फोटो जारी की थी। ईरान के सरकारी टीवी चैनल पर ड्रोन्स की फोटो दिखाई गई। इतना ही नहीं ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने तेहरान के पास दुनिया के सबसे घातक ड्रोन्स होने का दावा भी किया। इसमें कहा गया कि ये ड्रोन्स एक खुफिया बेस में रखे गए हैं। हालांकि बेस की लोकेशन कहां है, ये किसी को नहीं पता है। रिपोर्ट्स में कहा गया कि ये बेस केर्मनशाह शहर से 40 मिनट की दूरी पर हो सकता है। ईरान ने 1980 में ड्रोन बनाना शुरू कर दिया था। इस समय ईरान-ईराक के बीच युद्ध छिड़ा हुआ था। ईरान के आर्मी चीफ मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी और ईरान आर्मड फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल मोहम्मद बघेरी ने इस बेस का दौरा किया। इस दौरान मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की सेना सबसे मजबूत सेना है।

प्रधानमंत्री पद के दावेदारों पर बोले जॉनसन, उनकी संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सोमवार को कहा कि वह अपने पसंदीदा उम्मीदवार का समर्थन कर 10 डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री कार्यालय) की दौड़ में शामिल किसी भी दावेदार की जीत की संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहेंगे। बीते हफ्ते एक नाटकीय घटनाक्रम के तहत इस्तीफे का ऐलान करने के बाद पहली बार संवाददाताओं से मुखातिब जॉनसन ने कहा कि वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अपने आखिरी दिनों में 2019 के चुनावों में जीत दिलाने वाले चुनावी घोषणापत्र के सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के लिए वित्त जुटाने के इरादे से लंदन के फ्रांसिस क्रीक इंस्टीट्यूट का दौरा करने वाले जॉनसन ने कहा, 'एक प्रतिस्पर्धा चल रही है और यह जोरों पर है। मैं किसी एक के लिए समर्थन की घोषणा कर बाकियों की संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता।' उन्होंने कहा, 'मुझे बस आगे बढ़ना है और कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अपने आखिरी कुछ दिनों या हफ्तों में मेरा संवैधानिक कार्य जनादेश का निर्वहन करना और जनादेश का निर्वहन जारी रखना है तथा मैं यही कर रहा हूं।'

पूर्व पीएम शिंजो आबे का टोक्यो में अंतिम संस्कार, अंतिम विदाई देने के लिए उमड़े कई लोग

तोयो। (एजेंसी)।

जापान के लोगों ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को अंतिम विदाई दी, उनका आज एक मंदिर में परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कर दिया गया। देश के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे आबे शुक्रवार को पश्चिमी शहर नारा में चुनाव अभियान के सिलसिले में भाषण दे रहे थे और उसी दौरान उनको गोली मार दी गई थी। उनकी हत्या से पूरा देश और विश्व जगत स्तब्ध रह गया। दो साल पहले प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद भी सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शामिल आबे को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग तोक्यो स्थित जोजोजी मंदिर के बाहर एकत्र हुए।

आबे के पार्थिव शरीर को लेकर जब फूलों से सजा वाहन और अन्य वाहनों का काफिला जोजोजी मंदिर की ओर बढ़ा तो शोकाकुल लोगों ने अपने हाथ हिलाए, अपने दिवंगत नेता की तस्वीरें स्मार्टफोन से लीं और कुछ ने आबे सान! कहा। अंतिम संस्कार के दौरान आबे की पत्नी अकी आबे, परिवार के अन्य सदस्य, प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा और अन्य नेता मौजूद थे। वाहन तोक्यो के राजनीतिक मुख्यालय नगाटा-चो पहुंचा जहां आबे ने अपने राजनीतिक करियर के तीन दशक से अधिक वक्त बिताया था। इसके बाद काफिला पार्टी मुख्यालय पहुंचा, जहां पार्टी के वरिष्ठ नेता काले सूट पहने हुए थे। उन्होंने अपने नेता के लिए प्रार्थना की। दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक माने जाने वाले जापान में आबे की हत्या ने लोगों को स्तब्ध कर दिया, जहां बंदूक नियंत्रण संबंधी कड़े कानून हैं। पुलिस ने मौके से जापान की नौसेना के एक पूर्व सदस्य तेत्सुया यामागामी को गिरफ्तार किया था। रविवार के संसदीय चुनाव से पहले आबे की हत्या ने देश को झकझोर कर रख दिया और यह सवाल खड़ा हुआ कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं की गई थी।

प्रधानमंत्री किशिदा ने इस हमले को ''कायराना और बर्बर'' करार दिया था। 26 सितंबर, 2006 को आबे पहली बार जापान के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने आर्थिक सुधारों पर ध्यान देने के साथ-साथ उत्तर कोरिया के प्रति कड़ा रुख अपनाया। 2007 के चुनावों में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की करारी हार के बाद आबे ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया। एलडीपी का अध्यक्ष फिर चुने जाने के बाद आबे 2012 में दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। आबे ने 2020 में यह कहते हुए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था कि उनकी एक पुरानी बीमारी फिर से उभर आई है। पद पर न रहने के बावजूद आबे का सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी में अच्छा-खासा रुतबा था और वह पार्टी के सबसे बड़े धड़े का नेतृत्व करते थे, लेकिन उनके घोर-राष्ट्रवादी विचारों ने उनके कई विरोधी खड़े कर दिए थे। आबे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देते समय पत्रकारों से कहा था कि अपने कई लक्ष्यों को अधूरा छोड़ना उनके लिए ''परेशान करने वाली बात'' है। उन्होंने वर्षों पहले उत्तर कोरिया द्वारा अगवा किए गए जापानी नागरिकों के मुद्दे, रूस के साथ क्षेत्रीय विवाद और जापान के युद्ध त्यागने वाले संविधान के संशोधन के मुद्दों को हल करने में अपनी नाकामी की बात स्वीकारी थी। गौरतलब है कि जापान को सख्त बंदूक कानूनों के लिए जाना जाता है। 12.5 करोड़ की आबादी वाले देश में पिछले साल बंदूक से संबंधित केवल 10 आपराधिक मामले आए थे, जिनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और चार अन्य घायल हो गए थे।

श्रीलंका में राजनीतिक दलों ने सर्वदलीय सरकार बनाने की दिशा में कदम उठाये

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने अपनी घोषणा के अनुसार बुधवार को इस्तीफा देने के अपने इरादे की पुष्टि की, वहीं श्रीलंका के राजनीतिक दलों ने सर्वदलीय सरकार बनाने तथा 20 जुलाई को नये राष्ट्रपति का चुनाव करने की दिशा में सोमवार को कदम उठाये ताकि देश को और अराजकता की ओर बढ़ने से रोका जा सके। श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे ने आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को बताया कि वह 13 जुलाई को इस्तीफा दे देंगे।प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कुछ दिन पहले ही प्रदर्शनकारी देश के आर्थिक संकट को संभाल नहीं पाने पर दोनों नेताओं के घरों में घुस गये थे। प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के कार्यालय ने सोमवार को कहा कि नयी सर्वदलीय अंतरिम सरकार बनते ही समूचा मंत्रिमंडल इस्तीफा दे देगा और नयी सरकार को अपनी जिम्मेदारी सौंप देगा। राष्ट्रपति राजपक्षे और प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के इस्तीफा देने पर सहमत होने के बाद विपक्षी दलों ने रविवार को वार्ता की और सर्वदलीय अंतरिम सरकार बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि मंत्रिमंडल के सभी सदस्य नयी सर्वदलीय सरकार बनते ही अपनी जिम्मेदारी सौंपने पर सहमत हो गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, ''चर्चा में भाग लेने वाले सभी मंत्रियों की राय थी कि जैसे ही सर्वदलीय सरकार बनाने का समझौता होता है, वे उस सरकार को अपनी जिम्मेदारी सौंपने के लिए तैयार हैं।'' राजपक्षे ने शनिवार को एक अज्ञात स्थान से संसद अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने को सूचित किया कि वह बुधवार को इस्तीफा दे देंगे। इससे पहले हजारों प्रदर्शनकारी कोलंबो के उच्च सुरक्षा वाले फोर्ट इलाके में राष्ट्रपति आवास में घुस गये थे और उन्होंने राष्ट्रपति के पद छोड़ने की मांग की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, ''राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को सूचित किया है कि वह पहले की घोषणा के मुताबिक इस्तीफा देंगे।'' श्रीलंका की संसद 20 जुलाई को नये राष्ट्रपति का चुनाव करेगी। संसद अध्यक्ष अभयवर्धने ने सोमवार को यह घोषणा की। यह फैसला आज हुई एक महत्वपूर्ण सर्वदलीय बैठक में लिया गया। अभयवर्धने ने कहा कि बुधवार को राजपक्षे का इस्तीफा प्राप्त करने के बाद 15 जुलाई को संसद की बैठक होगी और राष्ट्रपति पद रिक्त होने की घोषणा की जाएगी। इसके बाद राष्ट्रपति पद के नामांकन प्राप्त करने के लिए 19 जुलाई को सत्र फिर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नये राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 20 जुलाई को संसदीय मतदान होगा। श्रीलंका के संविधान के तहत यदि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों त्यागपत्र दे देते हैं तो संसद अध्यक्ष अधिकतम 30 दिन तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम कर सकते हैं। संसद अपने सदस्यों में से 30 दिन के अंदर नये राष्ट्रपति का चुनाव करेगी। नया राष्ट्रपति मौजूदा कार्यकाल के बाकी दो साल के लिए पद पर रहेगा। इस बीच श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल 'समागी जन बालवेगया (एसजेबी)' ने सोमवार को कहा कि वह देश में स्थिरता लाने के लिए अगली सरकार का नेतृत्व करने को तैयार है और संसद में इस कदम के खिलाफ किसी भी तरह के प्रतिरोध को ''विश्वासघाती कृत्य'' के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे पहले ही कह चुके हैं कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं और सर्वदलीय सरकार के सत्तासीन होने

का रास्ता साफ करेंगे। विक्रमसिंघे ने सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा शनिवार को उनके निजी आवास को आग लगाए जाने के बाद पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को कहा कि केवल ''हिटलर जैसी मानसिकता'' वाले लोग ही इमारतों में आग लगा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मुस्लिम दल के नेता ने ट्वीट करके यह गलत जानकारी दी थी कि उन्होंने सर्वदलीय सरकार के गठन का विरोध किया है और इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जिसके कारण उनके आवास पर आगजनी की घटना हुई।

आईसीसी रैंकिंगः स्मृति मंधाना और राजेश्वरी गायकवाड टॉप-10 में पहुंची

दुबई (एजेंसी)।

श्रीलंका में क्रमशः गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने वाली स्मृति मंधाना और राजेश्वरी गायकवाड को वनडे रैंकिंग में फ़ायदा हुआ है और वे क्रमशः बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी रैंकिंग में 9वें स्थान पर काबिज हो गई हैं। वहीं श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू को भी अच्छे प्रदर्शन का लाभ हुआ है और वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 8वें स्थान पर हैं।

इससे पहले 2017 वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 178 रन की विशाल पारी खेलने के बाद वह 8वें स्थान पर पहुंची थीं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस वनडे सीरीज में 119 रन बनाए और दो विकेट भी झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला। इस प्रदर्शन का फायदा उन्हें ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में मिला है और वह दो स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर आ गई हैं।

मंधाना ने दूसरे वनडे में नाबाद 94 रन की पारी खेली थी और शेफाली वर्मा के साथ रिकॉर्ड 174 रन जोड़े थे। वहीं तीसरे वनडे में गायकवाड ने तीन विकेट लिए थे, जबकि हरमनप्रीत ने 75 रन बनाने के साथ-साथ एक विकेट भी लिया था। शेफाली वर्मा भी तीन स्थान ऊपर चढ़कर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 33वें स्थान पर आ गई हैं जबकि तेज गेंदबाज मेघना सिंह को भी चार स्थान का फायदा हुआ है और वह गेंदबाजी की रैंकिंग में 43वें स्थान पर हैं।

इन्फोसिस हॉल ऑफ फेम ओपनः अमरीका में रामकुमार का मिला-जुला प्रदर्शन

न्यू पोर्ट (अमरीका) (एजेंसी)।

भारत के रामकुमार रामनाथन ने न्यूजीलैंड के अपने साथी जे स्मिथ के साथ मिलकर मेक्सिको के हान्स हाक वीरडुगो और अमरीका के हंटर रीस को इन्फोसिस हॉल ऑफ फेम ओपन के पुरुष युगल प्री-क्वार्टरफाइनल में मात दी, हालांकि एकल फाइनल क्वालीफाइंग राउंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। रामकुमार और स्मिथ की जोड़ी ने सोमवार को 665,330 डॉलर इन्फोसिस हॉल ऑफ फेम ओपन में वीरडुगो और रीस को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में हराया। दूसरी ओर, एकल प्रतियोगिता में उन्हें अमेरिका के विलियम ब्लमबर्ग के हाथों 6-3, 5-7, 4-6 से शिकस्त मिली। इसी बीच सातवीं सीड खिलाड़ी फ्रांस के आर्थर फिल्स ने भारत के सुमित नागल को अमेर्सफूर्ट में वान मोसेल किया डच ओपन में 6-1, 6-4 से मात दी। 53,120 डॉलर में जॉर्जिया के रोम चैलेंज (अमरीका) के दूसरी वरीयता प्राप्त माइकल पेरवोलाराकिस ने दूसरे दौर के क्वालीफाइंग मैच में सातवीं वरीयता प्राप्त मुकुंद शशिकुमार को 6-3, 4-6, 6-3 से हराया।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर, भारत और पाकिस्तान के बीच दो मैच पक्के

जोहांसबर्ग (एजेंसी)।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक अच्छी खबर है। जब-जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच खेला जाता है, क्रिकेट प्रशंसकों का रोमांच अपने चरम पर होता है। फिलहाल भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला बंद है। लेकिन, आईसीसी टूर्नामेंट या फिर किसी अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच मुकाबले खेले जाते हैं। इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप 2021 में मुकाबले खेले गए थे। इस मैच में भारत को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। एक बार फिर से इस साल भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप में मुकाबला देखने को मिलेगा। अब तक के शेड्यूल के मुताबिक दिवाली से ठीक 1 दिन पहले 23 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में महा मुकाबला खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया टूरिज्म के मुताबिक इस मैच को लेकर सभी टिकट बिक चुकी है। इसके अलावा एक और मुकाबला एशिया कप में खेला जाएगा। एशिया कप का आयोजन श्रीलंका में होने वाला है। हालांकि, अभी किस तरीके से वहां की परिस्थितियां हैं, कहीं ना कहीं आयोजन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वहीं, भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम के बीच में भी बड़ा भिड़ंत होने वाला है। 31 जुलाई को कॉमनवेल्थ गेम में भारतीय महिला टीम का सामना चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा भी कर दी गई है।

कोहली को ग्रोइन की चोट, पहले वनडे से हो सकते हैं बाहर

खराब फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज विराट कोहली को तीसरे टी20 मैच के दौरान ग्रोइन में चोट लगी जिससे इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार को ओवल पर पहले वनडे में उनका खेलना संदिग्ध है। कोहली की चोट के बारे में विस्तार से पता नहीं चल सका है लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले मैच में ब्रेक दे सकता है ताकि वह अगले दो मैचों के लिये उपलब्ध रहें जो क्रमशः 14 जुलाई और 17 जुलाई को खेले जाने हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि विराट को पिछले मैच के दौरान ग्रोइन की चोट लगी है। अभी यह पता नहीं चल सका है कि यह बल्लेबाजी के दौरान लगी या क्षेत्ररक्षण के दौरान।

हरमनप्रीत की कप्तानी में राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

जेमिमा ओर तानिया शामिल , ऋचा को नहीं मिली जगह

मुबई (एजेंसी)।

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। इन खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट को भी शामिल किया गया है। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। इन खेलों के मुकाबले 28 जुलाई से 8 अगस्त तक बर्मिंघम में होंगे। भारतीय टीम ने हाल में हरमनप्रीत की कप्तानी में श्रीलंका दौरे में टी20 और एकदिवसीय सीरीज जीती है। ऐसे में उसका लक्ष्य जीत के इस सिलसिले को बरकरार रखना रहेगा। बीसीसीआई ने टीम की घोषणा करते हुए कहा, चयन समिति ने 2022 राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। भारतीय टीम पहली बार इन खेलों में शामिल होगी। राष्ट्रमण्डल खेलों में कुल 8 टीमें उतर रही हैं।

भारतीय महिला टीम में युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्ज को भी शामिल किया गया है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज तानिया भाटिया भी टीम में शामिल हैं पर ऋचा घोष 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं हैं। उन्हें स्टैंडबाय के तौर पर रखा गया है। वहीं स्नेह राणा फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं पर उन्हें भी खेलों के लिए टीम में जगह मिली है। वह अभी एनसीए में रिहैब कर रही हैं। टीम में तेज गेंदबाज के रुप में रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह और पूजा वस्त्रकार को जगह मिली है।

इन खेलों में कुल 8 टीमों को अवसर मिला है और इन्हें 2 समूहों में बांटा गया है। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमों को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा। ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और बारबाडोस की टीम है। वहीं दूसरे समूह बी में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका को शामिल किया गया है। भारत का 29 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया से, 31 जुलाई को पाकिस्तान से और 3 अगस्त को बारबाडोस से मुकाबला है। सेमीफाइनल के मुकाबले 6 अगस्त को जबकि स्वर्ण पदक

और कांस्य पदक के मुकाबले 7 अगस्त को खेले जाएंगे.

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, एस मेघना, तानिया भाटिया, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्रकार, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, जेमिमा रोड्रिग्ज, राधा यादव, हरलीव देओल और स्नेह राणा।

स्टैंडबायः सिमरन दिल बहादुर, ऋचा घोष, पूनम यादव।

दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग के लिए बोली लगाने की समय सीमा बुधवार तक बढ़ी

जोहांसबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका में अब आईपीएल की तर्ज पर नई टी20 लीग शुरु हो रही है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने देश की इस नई टी20 लीग के गठन के लिए बोलियां भी आमंत्रित की हैं। इसके साथ ही पार्टियों को भाग लेने के लिए आमंत्रित भी किया है। सीएसके के अनुसार इसमें कई फ्रेंचाइजियों ने रुचि दिखाई है। बोली लगाने की समय सीमा भी बढ़ाकर बुधवार 13 जुलाई तक कर दी गयी है।

दक्षिण अफ्रीका की इस लीग को लेकर आईपीएल टीमों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल (डीसी), मुंबई इंडियंस (एमआई), राजस्थान रॉयल्स (आरआर), और मुंबई इंडियंस (एमआई) ने एक्सप्रेशंस ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) पत्र भी खरीदा है। सीएसए को अब तक 29 ईओआई प्राप्त हुए हैं, इसमें से कुछ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) और आईपीएल टीमों के मालिकों की तरफ से आए हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए छह फ्रेंचाइजी होंगी, जिनमें से दो दक्षिण अफ्रीकी बोलीदाताओं के लिए आरक्षित होंगी। दक्षिण अफ्रीकी बोर्ड जनवरी-फरवरी में यह टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बना रहा है।

सीएसए लीग के एक दस्तावेज में कहा गया है कि आईपीएल सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग है और हमारा लक्ष्य दूसरी सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग बनाना है।

राहुल और आथिया जल्द शादी के बंधन में बंधेंगे

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल अभिनेत्री आथिया शेट्टी के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। आथिया और राहुल लंबे समय से रिलेशनशिप में बने हुए हैं। राहुल हाल ही में जर्मनी से सर्जरी कराकर लौटे हैं। राहुल कमर की सर्जरी के कारण ही आजकल टीम से बाहर चल रहे हैं। उनके अगस्त में शुरू हो रहे एशिया कप टी20 में भी खेलने की संभावना नही है। टीम प्रबंधन चाहत है कि राहुल पूरी तरह फिट होने के बाद ही वापसी करें। इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए टीम प्रबंधन राहुल को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। एक रिपोर्ट के अनुसार राहुल और आथिया अगले तीन माह के अंदर मुंबई में शादी कर सकते हैं। इसके लिए होने वाले भव्य कार्यक्रम की तैयारी स्वयं आथिया ही देख रही हैं। हाल ही में दोनों अपने घरवालों के साथ नया घर देखने पहुंचे थे। फिलहाल इस घर को नया रुप दिया जा रहा है। राहुल और आथिया शादी के बाद यहीं रहेंगे। आथिया अभिनेता सुनील शेट्टी की बेटी हैं।

खिलाड़ियों को आराम देने की अपनी नीति पर फिर विचार करे बीसीसीआई : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने सीनियर खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के समय आराम मांगने पर नाराजगी जतायी है। गावस्कर ने कहा है कि ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के समय तो आराम मांगते हैं पर आईपीएल के दौरान इन्हें आराम की जरुरत नहीं पड़ती है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इन्हें आराम देने की अपनी नीति पर फिर विचार करना चाहिये। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान अनुभवी खिलाड़ियों को एक के बाद एक आराम दिया जा रहा है। इसी कड़ी में वेस्टइंडीज दौरे के लिए एकदिवसीय टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को जगह नहीं दी गयी है। अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देकर युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। इसी को लेकर गावस्कर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब ये खिलाड़ी आईपीएल के समय आराम नहीं करते हैं तो भारतीय टीम के लिए खेलते समय इनहें आराम की जरुरत क्यों पड़ जाती है। उन्होंने कहा, देखिए मैं भारत के मैचों के दौरान आराम करने की खिलाड़ियों की सोच से सहमत नहीं हूं। आप भारत के लिए खेल रहे हैं। ऐसे में आप आईपीएल के दौरान आराम नहीं करते हैं पर भारतीय टीम की ओर से खेलते समय आपको आराम की जरुरत पड़ने लगती है।

इंगलैंड बनाम भारत सीरीज में ये पांच क्रिकेटर बना सकते हैं अपना बड़ा रिकॉर्ड

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

टी-20 सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया की नजरें अब वनडे सीरीज पर टिक गई हैं। वीरवार को शुरू होने वाली सीरीज दोनों प्लेयरों के लिए खास होगी। भारत की ओर जहां रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी बड़ा रिकॉर्ड बना सकते हैं तो वहीं इंगलैंड के जोस बटलर और जो रूट भी व्यक्तिगत रिकॉर्ड बना सकते हैं।

रोहित शर्मा : रोहित शर्मा (9283) को मोहम्मद अजहरुद्दीन (9378) से आगे निकलने के लिए 96 रनों की जरूरत है और वह एकदिवसीय मैचों में भारत के लिए छठे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। इसी तरह 5 चौके लगाकर वह वनडे में 850 चौके पूरे कर लेंगे। अगर वह पांच छक्के लगा देते हैं तो वनडे में 250 छक्के पूरे कर लेंगे।

रविंद्र जडेजा: जडेजा के नाम पर वनडे फार्मेट में 49 छक्के हैं। एक छक्का लगाकर वह रिकॉर्ड बना सकते हैं। इसी तरह अगर वह चार विकेट ले लेते हैं तो वनडे में 50 विकेट पूरे कर लेंगे।

मोहम्मद शमी: भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शभी भी वनडे फॉर्मेट में 150 विकेट लेने के करीब है। उन्हें सिर्फ दो विकेट ही चाहिए। वह भारत की ओर से वनडे में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं।

जोस बटलर: बटलर को वनडे फार्मेट में 150 छक्के पूरे करने के लिए 6 छक्कों की जरूरत है। उम्मीद है कि वह इस रिकॉर्ड को बना देंगे। इसी तरह पहले मैच में उतरते ही वह अपना 300वां इंटरनेशनल मैच खेल लेंगे।

जो रूट: जो रूट (491) को एकदिवसीय प्रारूप में 500 चौकों के लैंडमार्क को पूरा करने के लिए नौ चौकों की आवश्यकता है। रूट (17460) को सभी प्रारूपों में 17500 रन तक पहुंचने के लिए 40 रन चाहिए। उनकी टेस्ट फार्मेट में फॉर्म अच्छी रही थी। अब उनसे वनडे फार्मेट में रन बनाने की इंगलैंड उम्मीद करेगा।

महिला यूरो कप फुटबॉल : इंग्लैंड क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बनी -नॉर्वे को 8 गोल से हराया

लंदन । इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम यूरो कप 2022 के नॉकआउट राउंड के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बनी है। इंग्लैंड ने दो मैच में 2 जीत के साथ ही यूरो कप के लिए प्रवेश हासिल किया। इंग्लैंड ने दूसरे मैच में नॉर्वे को 8 गोल से हराया। यह पहली बार है जब टीम ने इतने गोल किये हैं। नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले में इंग्लैंड ने शुरुआती 12 मिनट के अंदर ही बढ़त बना ली। इंग्लैंड की ओर से जॉर्जिया स्टेनवे ने पेनल्टी पर गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद लॉरेन हेम्प ने 15 वें मिनट में गोल करके इस बढ़त को 2-0 कर दिया। इंग्लैंड की टीम ने नॉर्वे के खिलाफ 29वें मिनट मिनट में तीसरा गोल दागा।इसके बाद टीम ने 4 गोल और करके विरोधी टीम को एक प्रकार से मैच के बाहर कर दिया। एलेन व्हाइट और बेथ मीड ने दो-दो गोल दागे। इंग्लैंड की टीम इस जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में भी पहुंच गयी है।

श्रीलंका की जगह बांग्लादेश में एशिया कप का आयोजन कर सकती है एसीसी

मुम्बई । अगले माह श्रीलंका में होने वाले एशिया कप की मेजबानी अब बांग्लादेश को मिल सकती है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) श्रीलंका में आर्थिक बदहाली के कारण हो हो रही हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए एशिया कप का आयोजन स्थल बदलने पर गंभीर रुप से विचार कर रहा है। एसीसी का मानना है कि अभी के हालातों में इस टूर्नामेंट का आयोजन श्रीलंका में होना ठीक नहीं रहेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया और मेजबानों के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दौरान भी बड़ी संख्या में लोग गाले स्टेडियम के बाहर प्रदर्शन करते नजर आए थे। श्रीलंका में पिछले सप्ताह प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा जमाने के बाद प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे के निजी आवास में आग लगा दी थी। एशिया कप का प्रारूप 2018 संस्करण के जैसा होगा। इसमें 6 टीमें 3-3 टीमों के दो समूहों में भाग लेंगी। इसमें भारत और पाक टीमें एक ही समूह में हैं। सभी टीमें एक-दूसरे से एक बार खेलेंगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष 2 टीमें सुपर फोर के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर फोर में प्रत्येक टीम 3 मुकाबले खेलेगी। टॉप दो टीमें फाइनल में जाएंगी।

रोनाल्डो 'बिकाऊ' नहीं हैं, हम उनसे काम करने को उत्सुकः टेन हैग

बैंकॉक। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर एरिक टेन हैग ने सोमवार को कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो 'बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है'। टीम सत्र पूर्व दौरे के लिए थाईलैंड में है और क्लब में अपने भविष्य को लेकर संदेह के बीच 37 साल के रोनाल्डो पारिवारिक मुद्दे के कारण यहां नहीं आए है। टेन हैग ने कहा कि वह हमारे साथ नहीं है और यह व्यक्तिगत मुद्दों के कारण है। हम इस सत्र के लिए रोनाल्डो के साथ योजना बना रहे हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी ने कथित तौर पर यूनाइटेड छोड़ने की इच्छा जताई थी। टेन हैग ने कहा कि उन्होंने मुझसे ऐसा कुछ नहीं बताया है। मैंने इस बारे में कहीं पढ़ा है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि क्रिस्टियानो बिक्री के लिए नहीं है। रोनाल्डो की 12 साल के लंबे अंतराल के बाद पिछले सत्र में इस क्लब में वापसी हुई है।

सविता के शानदार प्रदर्शन से महिला हॉकी विश्व कप में भारत ने पहली जीत दर्ज की

टैरेसा (स्पेन) (एजेंसी)।

कप्तान और गोलकीपर सविता के शानदार प्रदर्शन से भारत ने मंगलवार को यहां एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के क्लासिफिकेशन मुकाबले में कनाडा को शूट आउट में 3-2 से हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की। निर्धारित समय के बाद दोनों टीम 1-1 से बराबर थीं। मेडेलाइन सेको ने 11वें मिनट में ही कनाडा को बढ़त दिला दी थी लेकिन भारत 58वें मिनट में सलीमा टेटे के गोल से बराबरी हासिल करने में सफल रहा।

भारत की जीत में हालांकि सबसे अहम भूमिका गोलकीपर सविता की रही जिससे टीम टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज कर सकी। नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मुकाबले में भारतीय कप्तान ने शूट आउट में विरोधी टीम के छह प्रयासों को नाकाम किया जबकि नवनीत कौर, सोनिका और नेहा ने गोल दागकर भारत की जीत सुनिश्चित की। स्पेन के खिलाफ क्रॉसओवर में निराशाजनक हार के बाद भारत ने कनाडा के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की।

भारत के शुरुआती दबाव से निपटने के बाद कनाडा ने गेंद को गोल में पहुंचा दिया लेकिन रैफरी ने इसे अस्वीकृत करते हुए पेनल्टी कॉर्नर दिया और नताली सोरिस्यू गोल करने में नाकाम रहीं। कनाडा को इसके कुछ मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार टीम ने वैरिएशन पर गोल दाग दिया। कैथलीन लीही ने भारतीय डिफेंस को भ्रमित करते हुए गेंद सेको की ओर बढ़ाई जिन्होंने इसे गोल में पहुंचा दिया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में मजबूत शुरुआत की और कई बार कनाडा की रक्षापंक्ति को भेदा लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। मोनिका ने कई अच्छे मूव बनाए जबकि नवनीत कौर, नेहा और वंदना कटारिया की तिकड़ी ने कनाडा के डिफेंस को लगातार दबाव में रखा। नवनीत और वंदना ने 25वें मिनट में शानदार मूव बनाया लेकिन इनके प्रयास को गोलकीपर रोवन हैरिस ने नाकाम कर दिया। मध्यांतर के बाद भी भारत ने हमले जारी रखे। लालरेमसियामी ने कनाडा की रक्षापंक्ति को भेदने की कोशिश लेकिन विफल रहीं।

भारत को बराबरी हासिल करने का शानदार मौका मिला लेकिन सर्कल के अंदर से नवजोत कौर का शॉट गोल पोस्ट के ऊपर से निकल गया। सविता ने इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार बचाव करते हुए कनाडा को बढ़त दोगुनी करने से रोका। भारत को तीसरे क्वार्टर के अंतिम लम्हों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम इसे गोल में नहीं बदल सकी। शुरुआती गोल के बाद कनाडा की टीम अधिक मौके नहीं बना सकी।

चौथे और अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने बराबरी का गोल करने के लिए प्रयास जारी रखा। भारत को कई पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गुरजीत कौर इन्हें गोल में नहीं बदल सकी। भारत को अंततः

सलीमा टेटे ने बराबरी दिलाई जब पेनल्टी कॉर्नर पर गुरजीत की ड्रैग फ्लिक को कनाडा की गोलकीपर के रोकने के बाद उन्होंने रिबाउंड पर गोल दागा। कार्ली योहानसन को पेनल्टी कॉर्नर पर कनाडा को एक बार फिर बढ़त दिलाने का मौका मिला लेकिन वह गोल नहीं कर सकी। भारत नौवें से 12वें स्थान के प्ले आफ में बुधवार को जापान से भिड़ेगा।

ओडिशा में बारिश के कारण चट्टान खिसकने से सात घर दबकर नष्ट

भुवनेश्वर, एमएस संवाददाता: ओडिशा में पिछले दो दिनों से जारी बारिश के बाद गजपति जिले के नुआगड़ ब्लाक के नुआपल्ली गांव में पहाड़ की चट्टान खिसकने से सात घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। इन घरों को पत्थर एवं मिट्टी स से मनाया गया था। इस घटना के बाद से वहां के लोगों में भय का माहौल बन गया है। लोग अपने घर को छोड़कर वहां से सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं।

घटना की सूचना मिलने के बाद ब्लाक प्रशासन की टीम वहां पहुंचकर स्थिति का अनुध्यान किया है। गांव के इन लोगों को स्कूल घर में रखा गया है। जानकारी के मुताबिक नुआपल्ली गांव में २० से अधिक परिवार रहते हैं।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले २४ घंटे में राज्य के सात जिलों में भारी बारिश हुई है। इसमें कालाहांड जिले के लांजीगड़ में सर्वाधिक १७१.६ मिमी. बारिश रिकार्ड की गई है।

गौरतलब है कि ओडिशा में राज्य में कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। आगामी २४ घंटे में इसके और अधिक सक्रिय होने की सम्भावना है। इसके प्रभाव से अगले दो दिन तक पूरे राज्य में भारी बारिश होने आशंका है।भारी बारिश को लेकर ८ जिले के लिए आरेंज एवं १५ जिले के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग क अनुसारअधिकांश जगहों पर बज्रपात होने के साथ ही भारी बारिश होने की सम्भावना है। तटीय ओडिशा एवं अंदरूनी ओडिशा में अगले तीन दिन तक बारिश होगी।

दूसरी ओर, पश्चिम बांगोसागर में एक और कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके सक्रिय होने के बाद १४ जुलाई तक इसके गहरे दबाव में बदलने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप, ओडिशा में बारिश का दौर जारी रहेगा।

ओडिशा में दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार की मौत, १४ घायल

भुवनेश्वर, एमएस संवाददाता: ओडिशा में आज दो अलग-अलग जगह पर हुए सड़क हादसे में ४ लोगों की मौत हो गई है जबकि १४ लोग घायल हो गए हैं। सुवर्णपुर जिले में एनएच-५७ बड़बबहाली चौक के पास आज सुबह-सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। एक कार एवं आटो की बीच हुई टक्कर में ३ लोगों की मौत हो गई है जबकि ६ लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।

वहीं खुर्दा जिले में १६ नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक ट्रक की यात्रीवाही बस के साथ भिड़ंत हो गई है। ट्रक को यात्रीवाही बस ने पीछे से धक्का दिया, जिसमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है जबकि ८ यात्री घायल हो गए हैं। खुर्दा जिले में हुए सड़क हादसे में घायल लोगों को भुवनेश्वर एम्स भेजा गया है। मृतक व्यक्ति का परिचय नहीं मिला है।

जानकारी के मुताबिक आज सुबह ८ बजे ओम शांति नामक बस भुवनेश्वर से बुगुड़ा जा रही थी। इसी समय खुर्दा जिले में १६ नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक ट्रक को पीछे से टकरा गयी। घटना स्थल पर ही एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है।

घायलों को स्थानीय लोग की मदद पुलिस ने एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचायी। बस में ४० लोग सवार थे। दुर्घटना में बस के सामने का हिस्सा टूट गया है। पुलिस बस को जब्त कर घटना की जांच कर रही है।

वहीं सुवर्णपुर जिले में एनएच ५७ बड़बहाली चौक में आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। एक कार एवं आटो एवं बाइक को धक्का देने से तीन लोगों की मौत हो गई है। ६ लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों का परिचय नहीं मिल पाया है।

बलांगीर जिले के राघवपाली से कुछ व्यवसायी प्रत्येक दिन सोनपुर अपने चारा (पौधा) व्यवसाय के लिए जाते हैं। आज भी सुबह ८ बजे ये लोग चारा (पौधा) बेचने के लिए एक आटो से आए थे। बड़बाहाली चौक पर आटो रखकर एक बाइक सवार से बात कर रहे थे।

इसी समय सोनपुर से बलांगीर की तरफ तेज गति से जा रही एक कार ने पहले आटो को धक्का दिया। बाद में आटो के पास खड़ी बाइक को भी धक्का दे दिया। आटो में सवार ८ व्यापारियों में से ३ व्यापारियों की घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि ५ गम्भीर रूप से घायल हुए थे।

ओडिशा विजिलेंस ो एक सहायक अभियंता से बड़ी संपत्ति का भंडाफोड़ किया

भुवनेश्वर, एमएस संवाददाता: ओडिशा के विजिलेंस विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग के एक सहायक अभियंता की आय से अधिक संपत्ति का भंडाफोड़ किया। विजिलेंस सूत्रों ने यहां बताया कि आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप पर पुरी जिले के ग्रामीण विकास निमापाड़ा की सहायक अभियंता दुसमंत देहुरी के साथ सात स्थानों पर ५ डीएसपी, १२ इंस्पेक्टर व अन्य स्टाफ के नेतृत्व में विजिलेंस द्वारा घर की तलाशी ली जा रही है ।

अब तक विजिलेंस के अधिकारियों ने २८ भूखंडों का पता लगाया है, जिसमें भुवनेश्वर के प्राइम एरिया में ७ प्लॉट और ढेंकनाल के प्राइम एरिया में २१ प्लॉट शामिल हैं, जिनकी कीमत लगभग १.४५ करोड़ रुपये और १.५८ लाख रुपये नकद है।

इंजीनियर के कब्जे से चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर में एक तीन मंजिला इमारत, ढेंकनाल शहर में दो एक मंजिला इमारत, ढेंकनाल जिले के गुनादेई गांव में एक मंजिला इमारत मिली है.

सतर्कता तकनीकी विंग इमारतों का विस्तृत माप और आकलन कर रहा है।

४७.६५ लाख रुपये से अधिक के बैंक और बीमा जमा, ११,००,००० रुपये के एक चार पहिया वाहन और दोपहिया वाहनों का भी पता चला है।

एक अन्य मामले में विजिलेंस अधिकारियों ने मंगलवार को बोलंगीर जिले के आगलपुर प्रखंड अंतर्गत कुनी नाइक, आईसीडीएस सुपरवाइजर रोह सेक्टर और आई/सी भरसूजा सेक्टर को छह आंगनबाडी कार्यकर्ताओं से १९,८०० रुपये की मांग व स्वीकार करते हुए गिरफ्तार किया है ।

भारत में अवैध ऋण ऐप चलाने के लिए बीओआई ने लियू यी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया

भुवनेश्वर १२ जुलाई (वार्ता) आप्रवासन ब्यूरो (बीओआई) ने उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया है।

लियू यी, भारत में कई अवैध डिजिटल ऋण ऐप चलाने के लिए एक चीनी नागरिक।

लुकआउट नोटिस भुवनेश्वर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के अनुरोध पर जारी किया गया था क्योंकि एलआईयू वाईआई इस साल जनवरी में दर्ज एक मामले में मुख्य आरोपी है।

चीनी नागरिक भारत में कई अवैध डिजिटल लोन ऐप चलाते थे जैसे -कोको लोन, जोजो लोन, गोल्डन लाइटनिंग लोन, सिल्वर क्रेडिट लोन, गोल्ड कैश लोन, लिटिल बॉरो लोन, टैप क्रेडिट लोन, क्रेडिट बियर लोन, स्पीडी रुपया लोन, एक्सप्रेस क्रेडिट लोन, क्रेडिट प्लान लोन, रुपया डे लोन और कुछ अन्य।

ईओडब्ल्यू के सूत्रों ने मंगलवार को यहां कहा कि अकेले एक ऐप में १.५ लाख से अधिक डाउनलोड हैं।

EOW को संदेह था कि इन ऐप्स के माध्यम से, देश भर में लाखों लोगों, विशेष रूप से निम्न मध्यम वर्ग के लोगों को, जिन्हें विशेष रूप से ण्ध्न्ध्उ के कठिन समय के दौरान छोटे ऋणों की आवश्यकता थी, ठगे गए और जबरन वसूली की गई।

लियू यी ने भारत में अपना अवैध कारोबार २०१९ में बैंगलोर से शुरू किया था। उनकी मूल कंपनी हांग्जो चीन में जियानबिंग टेक्नोलॉजी थी।वह ऑमलेट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं, लेकिन परोक्ष रूप से येलो ट्यून टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड मुडमेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड पिंकलीफ आर्यन कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड टेकलाइट डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड को नियंत्रित करते हैं।

कम से कम दो और चीनी हैं जो उसके घोटाले में उसकी सहायता करते थे। यह संदेह है कि वे इस तरह के अवैध ऋण एपीपी अन्य देशों में भी चला रहे हैं, खासकर थाईलैंड में।

पुरी-नुआगांव रोड के बीच एक विशेष यात्री ट्रेन चलाने का निर्णय

भुवनेश्वर,::माननीय रेल मंत्री की घोषणा के अनुसार ईस्ट कोस्ट रेलवे ने पुरी-नुआगांव रोड के बीच एक विशेष यात्री ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है । ०८४२३/०८४२४ पुरी-नुआगा रोड-पुरी पैसेंजर स्पेशल २० जुलाई, २०२२ को शाम ७.२० बजे से पुरी से रवाना होने वाली है, जबकि २१ जुलाई, २०२२ को सुबह ९.१० बजे नुआगा रोड से पुरी लौट रही है ।

ट्रेन में पांच द्वितीय श्रेणी के बैठने की जगह और दो गार्ड और लगेज वैन हैं, जबकि यह पुरी और नुआगा रोड, मालतीपतपुर, जानकीदीपुर, साक्षीगोपाला, बीरपुरुषोत्तमपुर, जेनापुर पीएच, डेलंग, कनास रोड, मोत्री, हरिदुर, खोरधा, खोरधा गांव, खोरधा के बीच चलती है। गांव राजसुनाखला, बोलगढ़ टाउन, बोलगढ़ रोड, नयागढ़ टाउन और महिपुर स्टेशनों पर ठहरेंगे ।

पुरी-नुआगांव रोड पैसेंजर स्पेशल की शुरुआत के बाद, ट्रेन की आवाजाही में आसानी को देखते हुए भुवनेश्वर-नुआगांव रोड पैसेंजर ०८४२९ की विशेष समय सारिणी को संशोधित करने का भी निर्णय लिया गया है। २१ जुलाई, २०२२ के लिए निर्धारित स्टेशनों पर ट्रेन शेड्यूल को भी संशोधित किया गया है। ट्रेन भुवनेश्वर से सुबह ९.२५ बजे प्रस्थान करेगी। इसके बजाय, यह सुबह १०:२० बजे था। दोपहर १२.१५ बजे नुआगा रोड पर निकले। बदले में १ घंटे में आ जाएगा ।

बेशक, भुवनेश्वर वापस जाने वाले रास्ते में ०८४३० नुआगांव रोड-भुवनेश्वर पैसेंजर स्पेशल नुआगांव रोड पर समय सारिणी अपरिवर्तित रहेगी।

सेल, आर.एस.पी. में सेवानिवृत्ति पूर्व कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला 9रोशनी“ आयोजित

राउरकेला, एमएस संवाददाता :सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र के एच.आर.डी. केंद्र में ८ जुलाई, २०२२ को एक सेवानिवृत्ति पूर्व कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला 9रोशनी“ आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता महा प्रबंधक (कार्मिक) डॉ. पी.के. साहू ने की। अधिकारियों सहित कुल ३५ कर्मचारी जुलाई, २०२२ में सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

सत्रों में अंतिम निपटान देय राशि और वित्तीय सुरक्षा योजना, सुचारू अंतिम निपटान की प्रक्रिया, सेवानिवृत्ति के बाद जीवन के एक नए चरण में सुगम जीवन यापन के लिए मानसिकता, बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना, शरीर और मन की भलाई और आई.टी. के सुरक्षित उपयोग, सक्रिय नियोजित जीवन से सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन में सुगम और तनाव मुक्त जीवन जैसे विषयों को शामिल किया गया। सत्र विभिन्न विभागों के अधिकारियों जैसे महा प्रबंधक (वित् ?त एवं लेखा) श्री जी.एस. दास, उप महा प्रबंधक (एस.पी.-२) श्री वी.एस. सहोता, सहायक महा प्रबंधक (सी. एण्ड आई.टी.) श्री वी.पी. आर्य, सहायक प्रबंधक (नगर सेवा) श्री एच.के. साहू और वरिष्ठ मंडलीय चिकित्सा अधिकारी (ओ.एच.एस.सी.) डॉ. एस. कुमार और सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री डी.के. दास द्वारा लिया गया।

प्रारंभ में श्री जी.आर. दाश ने सभा का स्वागत किया जबकि उप प्रबंधक (कार्मिक) सुश्री अनिकेता सिंह ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला का संचालन आर.एस.पी. के कार्मिक कल्याण विभाग की टीम ने किया।

ओडिशा ने पिछले २४ घंटों में ५०९ कोविड मामलों की रिपोर्ट दर्ज

भुवनेश्वर, १२ जुलाई (वार्ता) ओडिशा में पिछले कुछ दिनों में कोविड-१९ के दैनिक मामलों में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन मंगलवार को लगातार चौथे दिन यह ५०० से अधिक अंक दर्ज करना जारी रखा।

सूचना और जनसंपर्क विभाग के सूत्रों ने कहा कि राज्य में पिछले २४ घंटों के दौरान ५०९ नए मामले सामने आए, जो रविवार के आंकड़े से ६३ कम है। जहां राज्य में कोविड पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या बढ़कर १२,९४,५८५ हो गई, वहीं राज्य में सक्रिय मामले अब ३५३९ हो गए हैं।

कुल ५०९ मामलों में से २९९ मामले संगरोध केंद्रों से और २१० संपर्क मामलों के रूप में दर्ज किए गए। खोरधा जिले में २०० मामले दर्ज किए गए, राज्य में सबसे अधिक मामले कटक (११०), सुंदरगढ़ (४९) पुरी (१४) और जाजपुर (१०) के बाद हैं।

आधिकारिक रिपोर्टों में कहा गया है कि ३.४८ प्रतिशत टेस्ट पॉजिटिव रिपोर्ट (टीपीआर) दर्ज करने वाले १४,६१८ नमूना परीक्षणों में से २५ जिलों से नए सकारात्मक मामले सामने आए।

खोरधा, सुंदरगढ़ और कटक जैसे तीन जिले हालांकि रेड जोन में रहे परीक्षण सकारात्मकता दर क्रमश: ११.५ प्रतिशत, ८.७ प्रतिशत और ८.६ प्रतिशत है जबकि पुरी और बौध जिलों में ५ प्रतिशत से अधिक टीपीआर वाले जिलों को येलो जोन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

विदेशी शराब लूटने के आरोप में से तीन लोगों को गिरफ्तार

संबलपुर १२ जुलाई (वार्ता) संबलपुर पुलिस ने संयुक्त प्रयास में मंगलवार को एक ट्रक से ४५ लाख रुपये से अधिक की विदेशी शराब लूटने के आरोप में अथमलिक और बौध क्षेत्र से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए तीन डकैतों ने एक ट्रक को रोक लिया था, जो पुरी जिले के एकमकाना प्लांट से ेन ५५ पर मोचीबहल के पास ९५० कार्टन विदेशी शराब से लदी हुई थी।

उन्होंने चालक के पैर-हाथ बांध दिए, लदे ट्रक को सोनपुर जिले के बिनिका ले आए और ट्रक का जीपीएस फेंक दिया ताकि कोई उन्हें ट्रैक न कर सके ।

इसके बाद डकैतों ने पूरे विदेशी शराब के कार्टून को एक ज्ञात व्यक्ति के गोदाम में उतार दिया और एक सुनसान जगह पर चालक को छुड़ाते हुए संबलपुर जिले के नकतिदेउल की ओर बढ़ गए ।

हालांकि चालक ने जिले के चारमल थाने में शिकायत दर्ज करायी है.

संबलपुर के एसपी बी गंगाधर ने कहा, जांच और स्थानीय इनपुट के बाद पुलिस डकैतों को गिरफ्तार करने और बिनिका से चोरी का सारा सामान बरामद करने में सफल रही।

उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न थानों में तीन में से दो आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एक सहित मामले लंबित हैं।

मंदिर में देवताओं के घर आगमन समारोह को 'नीलाद्री बीजे' अनुस्टित

पुरी, एमएस संवाददाता : ओडिशा आज रसगुल्ला दिवस मनाया गया। पुरी जगन्नाथ धाम में आज महाप्रभु जगन्नाथ जी ने रूठी माता लक्ष्मी को रसगुल्ला खिलाकर मनाया तो वहीं प्रदेश के अधिकांश लोग अपने अपने घरों में रसगुल्ला लाकर ना सिर्फ अपनी पत्नियों को खिलाए बल्कि उनके बीच सदैव रसगुल्ले की तरह मिठास बनी रहे प्रभु से प्रार्थना किए। जानकारी के मुताबिक महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा का अंतिम चरण निलाद्रीबिजे होता है। रथयात्रा के दशवें दिन सोना वेश एवं अधरपणा नीति सम्पन्न होने के बाद १२वें दिन निलाद्री बिजे उत्सव मनाया जाता है। इसी क्रम मे आज चतुर्धा विग्रह रत्न सिंहासन पर विराजमान हुए हैं। हालांकि रथ से चतुर्धा विग्रह के मंदिर के अंदर प्रवेश के समय माता लक्ष्मी ने बलभद्र जी एवं देवी सुभद्रा को तो मंदिर में प्रवेश करने के अनुमति दे दीं मगर जगन्नाथ महाप्रभु को उन्होंने मंदिर के अन्दर नहीं जाने दिया। मंदिर का दरवाजा बंद करवा दिया। दरवाजा के बाहर ही माता लक्ष्मी एवं जगन्नाथ महाप्रभु के बीच तर्क-वितर्क हुआ। माता लक्ष्मी के सवालों का जवाब देने उन्होंने दरवाजा खोलने की अनुमति दी। माता लक्ष्मी एवं जगन्नाथ के बीच चले इस सवाल-जवाब को वचनिका या फिर लक्ष्मी नारायण कलि कहा जाता है। सवाल-जवाब के बाद त्रिभुवनपति जगन्नाथ जी ने माता लक्ष्मी को रसगुल्ला खिलाकर उनके गुस्से को शांत किया।

इस रसगुल्ले को भीतरछु महापात्र बड़े ही शुद्धता से अपने घर में तैयार करते हैं। रसगुल्ला के साथ ही महाप्रभु ने माता लक्ष्मी के लिए पाट साड़ी उपहार में प्रदान किया। इस तरह से माता लक्ष्मी को मनाकर महाप्रभु जगन्नाथ जी मंदिर के अन्दर प्रवेश किए।

जगन्नाथ मंदिर में यह परंपरा एवं रीति कई शताब्दी से चली आ रही है, जिसमें रसगुल्ला की भी एक प्रमुख भूमिका होती है। ऐसे में ओडिशा में निलाद्री बिजे के दिन को सन् २०१५ से रसगुल्ला दिवस के रूप में मनाए जाने लगा। रसगुल्ला ओडिशा का है और फिर रसगुल्ला के जीआई टैग के लिए प्रयास शुरू हो गया। रसगुल्ला ओडिशा का है।माता लक्ष्मी एवं प्रभु जगन्नाथ जी के बीच के विवाद को खत्म करने में रसगुल्ला का अहम योगदान है। ऐसे में आज इस रसगुल्ला दिवस के मौके पर प्रदेश के अधिकांश घरों में लोगों ने रसगुल्ला मंगाने के साथ ही अपनी पत् ?नी एवं परिवार को खिलाते हुए भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना की है उनके परिवार में सदैव रसगुल्ले की तरह मिठास बनी रही है।

हमारे जीवन में गुरु का बहुत महत्व है; लेखक ताराप्रसाद

जाजपुर, 'गुरु पूर्णिमा' एक प्रसिद्ध भारतीय त्योहार है। हिंदू और बौद्ध इसे पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार यह आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण का पर्व है। यह पर्व गुरु को प्रणाम और सम्मान का पर्व है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गुरु की पूजा करने से उनके शिष्यों को गुरु की दीक्षा का पूरा फल मिलता है। लेखक इंजीनियर ताराप्रसाद मिश्रा ने कहा कि हमारे जीवन में गुरु का बहुत महत्व है। 'गु' का अर्थ है अंधकार (अज्ञान), और 'रु' का अर्थ है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। भविष्य का जीवन गुरु द्वारा ही बनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुओं का सम्मान किया जाता है। इस अवसर पर आश्रमों में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। सम्मानित व्यक्तियों में साहित्य, संगीत, रंगमंच, चित्रकला आदि के क्षेत्र के लोग शामिल हैं। कई स्थानों पर कथा, कीर्तन और भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस दिन गुरु के नाम पर दान-पुण्य करने का भी विधान है। गुरु के बिना महान होने की कल्पना नहीं की जा सकती। गुरुकुल से लेकर आधुनिक विद्यालयों तक में गुरु का विशेष स्थान है। आज भी गाँवों में गुरुजी को गुरु जी को संबोधित किया जाता है। वह समय भी आ गया है जब नगरों के निर्णय में पंच न लेकर सरपंच गुरु की सहमति के लिए चले जाते हैं। आज हर क्षेत्र में गुरु, आध्यात्मिक, शिक्षा, खेल, साहित्य आदि हैं। महापुरुषों ने कहा है कि यदि आप सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपको एक अच्छे गुरु की तलाश करनी चाहिए। शिक्षा के बिना सफलता प्राप्त करना कठिन है जो व्यर्थ है। गुरु की महिमा का वर्णन करने के लिए ठगुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवोठ सहित कई पंक्तियाँ पर्याप्त हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि गुरु की महिमा और कृपा अनंत है। मिश्रा ने कहा कि गुरु के कई रूप अपने शिष्यों से प्यार करते हैं। पिता, कभी भाई, मित्र, शिष्यों का पथ प्रदर्शक बन जाता है। गुरु की कोई सीमा नहीं है। अपने शिष्य को ऊँचा देखना गुरु का सबसे बड़ा सपना होता है। जब शिष्य विफल हो जाता है, तो गुरु उसे निराश न होने और खड़े होने के लिए प्रोत्साहित करता है। हालाँकि, अगर हम आज की दुनिया को देखें, तो भ्रष्टाचार, अपराध और शोषण हमें यह दुखद सच्चाई दिखाते हैं कि अच्छे गुरु नहीं होते हैं, केवल पाखंडी होते हैं। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुओं का सम्मान किया जाता है। इस अवसर पर आश्रमों में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। सम्मानित व्यक्तियों में साहित्य, संगीत, रंगमंच, चित्रकला आदि के क्षेत्र के लोग शामिल हैं। कई स्थानों पर कथा, कीर्तन और भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस दिन गुरु के नाम पर दान-पुण्य करने का भी विधान है। युग कोई भी हो, गुरु के प्रति सम्मान हमेशा बना रहता है। संत कबीरदास ने भी अपनी महिमा को गोविंदा से महान बताया है। हर युग में गुरु हमेशा पूजनीय रहे हैं और रहेंगे। सदियों पुरानी गुरु पूजन की परंपरा आज भी जीवित है। गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु पूजा का विशेष महत्व है। शिष्यों में गुरु के प्रति सम्मान की कोई कमी नहीं है।

सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र में स्टील मेल्टिंग शॉप-२ के नए ऑक्सीजन पी.आर.एम.एस. उद्घाटित

राउरकेला, एमएस संवाददाता :सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) के ऑक्सीजन प्लांट में १२ जुलाई, २०२२ को निदेशक प्रभारी, श्री अतनु भौमिक द्वारा स्टील मेल्टिंग शॉप-२ के कन्वर्टर-सी और कास्टर-३ के लिए एक नए ऑक्सीजन पी.आर.एम.एस. का उद्घाटन किया गया। कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री पी.के. शतपथी, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ) श्री पी.के. साहू, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री सोमनाथ त्रिपाठी, कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बी.के. होता, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) एवं मुख्य महा प्रबंधक (सेवाएँ) श्री नरेश कुमार, महा प्रबंधक प्रभारी (ऑक्सीजन प्लांट) श्रीमती आशा एस. कार्था और कई मुख्य महा प्रबंधक एवं ऑक्सीजन प्लांट और परियोजना विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी, मेकॉन

(परियोजना सलाहकार) और सहायता संघ में शामिल मैसर्स विमल ऑर्गेनिक्स लिमिटेड, नई दिल्ली (लीडर) और मेसर्स केमटेक इंडस्ट्रियल वाल्व्स लिमिटेड, ठाणे (कार्यकारी एजेंसी) के प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित थे।

एस.एम.एस.-२ के कन्वर्टर-सी और कास्टर-३ जैसी आधुनिकीकरण परियोजनाओं के लिए ऑक्सीजन की माँग को पूरा करने के लिए ८४००० घन मीटर प्रति घंटे की क्षमता वाली नयी ऑक्सीजन पी.आर.एम.एस. (प्रेशर रिड्यूसिंग एंड मीटरिंग स्टेशन) स्थापित किया गया है। इसके अलावा, नई प्रणाली ऑक्सीजन की आपूर्ति की १००इ उपलब्धता सुनिश्चित करेगी और साथ ही साथ एस.एम.एस.-२ में तीन कन्वर्टरों को कुशलतापूर्वक चलने में मदद करेगी। इससे प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था में भी मजबूती आयेगी।

इस प्रणाली के निर्माण, स्थापना और कमीशनिंग कार्य का समन्वय परियोजना विभाग द्वारा किया गया। ऑक्सीजन प्लांट के साथ इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग द्वारा इंटरलॉक, लॉजिक्स और ग्राफिक्स विकसित और कायान्र्वित किए गए।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA)
Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रेड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र